गैरसैंण, बुधवार
17 जुलाई 2024
वर्ष: 16
अंक: 79 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक: स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

जम्मू में आतंकी हमले के बाद चम्बा में हाई अलर्ट

चम्बा , पड़ोसी राज्य जम्मू कश्मीर में आतंकी वारदातों के बाद चम्बा जिले में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। जिले की सीमाओं सहित अन्य क्षेत्रों में चौकसी को बढ़ा दिया है। सभी पुलिस थानों व चौकियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। यही नहीं पुलिस ड्रोन के माध्यम से भी बार्डर एरिया पर निगरानी बनाए हुए हैं, ताकि किसी प्रकार की घुसपैठ को रोका जा सके।

सीमाओं को सील कर निगरानी की जा रही है

प्रदेश पुलिस और गुप्तचर विभाग द्वारा विशेष निगरानी की जा रही है। पड़ोसी राज्य में आतंकी वारदातों के बाद सुरक्षा को और पुख्ता कर दिया है। जिले के प्रवेश द्वारों पर सीसीटीवी और पुलिस द्वारा विशेष निगरानी की जा रही है। हिमाचल प्रदेश में जगह–जगह पर नाके लगाए गए हैं और पुलिस संदिग्धों पर नजर रखे हैं। कोई संदिग्ध प्रवेश न कर सके इसके लिए हर तरह की एहतियात बरती जा रही है।

केदारनाथ में तीर्थपुरोहितों का धरना समाप्त

रुद्रप्रयाग : दिल्ली में केदारनाथ के प्रतीकात्मक मंदिर निर्माण को लेकर चल रहा तीर्थपुरोहितों का धरना सोमवार देर रात मुख्यमंत्री से वार्ता के बाद खत्म हो गया। केदारसभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी की मुख्यमंत्री से फोन पर इस संबंध में वार्ता हुई। अध्यक्ष तिवारी ने दावा किया कि दिल्ली में बन रहे मंदिर में केदारनाथ का नाम और स्वरूप उपयोग नहीं होगा। दिल्ली में दस जुलाई को मंदिर के शिलान्यास के बाद केदारनाथ में तीर्थपुरोहितों का विरोध शुरू हो गया था। केदारनाथ और ऊखीमठ में विरोध प्रदर्शन का दौर जारी था। सोमवार देर रात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की केदारसभा सभा अध्यक्ष राजकुमार तिवारी से फोन पर करीब दस मिनट की बातचीत हुई। जिसके बाद तीर्थपुरोहितों ने आंदोलन खत्म कर दिया। (एजेंसी)

फतेहपुर-पौड़ीखाल जोड़ने वाला पैदल पुल क्षतिग्रस्त, हादसा टला

रुद्रप्रयाग : चित्रमति गदेरे पर बना बच्छणस्यूं पट्टी के डिखाल, सुनाऊ फतेहपुर, निषणी, कलेथ, डिंगड़ी, पणधारा, बंगोली सहित एक दर्जन से अधिक गांवों को जोड़ने वाला पुल मंगलवार हुई भारी बारिश के चलते क्षतिग्रस्त हो गया। पुल के एक किनारे में बड़ा हिस्सा टूट गया है। जिससे यहां आवाजाही बंद हो गई है। गनीमत रही कि इस दौरान पुल पर किसी की आवाजाही नहीं हो रही थी। कुछ समय पहले ही कुछ ग्रामीण यहां से निकले थे। खांकरा के पूर्व प्रधान प्रदीप मलासी का कहना है कि यह पुल काफी जर्जर है। करीब 70 साल पहले बने पुल की कोई देखरेख नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां एक ओर सरकार गांव-गांव को सड़कों से जोड़ रही है वहीं यह क्षेत्र सड़क सुविधा के लाभ से वंचित है। (एजेंसी)

चट्टान टूटने से दो मजदूर दबे, एक की मौत

चमोली : भारी बारिश के कारण मारवाडी पुल के निकट पुरानी सड़क में सोमवार की देर रात लगभग डेढ़ बजे चट्टान टूटने से एक नेपाली मूल के व्यक्ति की मलबे में दबने से मौत हो गई है। जबकि दूसरे व्यक्ति को रेस्क्यू दल ने सुरक्षित बाहर निकाला। जिसका उपचार सीएचसी जोशीमठ में चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार मजदूर की हालत स्थिर बनी हुई है। कोतवाल राकेश चन्द्र भट्ट ने बताया कि सोमवार की रात जोशीमठ में हुई भारी बारिश के कारण मारवाड़ी पुल के निकट पुरानी सड़क में बने एक खोखे में रात भारी चट्टान टूटकर आई। भारी मलबा आने से यह खोखा मलबे में दब गया। बताया कि इसमे रह रहे 6 लोगों ने तो किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। लेकिन दो लोग दब गए। जैसे ही पुलिस को इसकी सूचना मिली तो पुलिस रैस्क्यू टीम, एसडीआरएफ और 108 मौके पर पहुंची। (एजेंसी)

बाबा केदार को अर्पित किया पहला ब्रह्मकमल

रुद्रप्रयाग : सावन शुरू होते ही केदारनाथ में बाबा केदार को ब्रह्मकमल चढ़ाया जाने लगा है। बदरी-केदार मंदिर समिति ने पहला ब्रह्मकमल बाबा केदार को अर्पित करते हुए विश्व कल्याण, सुख शांति और समृद्धि की कामना की। वहीं, अब केदारनाथ में भगवान आशुतोष को ब्रह्मकमल, बेलपत्र चढ़ाने के साथ ही जलाभिषेक को लेकर शिव भक्त पहुंचने लगे हैं। हर साल हिमालय की ऊंचाई वाले स्थानों से ब्रह्मकमल को लाकर भगवान शिव को चढ़ाया जाता है। इस बार भी बदरी-केदार मंदिर समिति की ओर से सावन के पहले दिन ब्रह्मकमल बाबा केदार के चरणों में अर्पित किया गया।

जम्मू के डोडा में आतंकियों के साथ मुठभेड़

सेना के एक अधिकारी समेत चार जवान शहीद

जम्मू ,जम्मू–कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ पूरी रात चली मुठभेड़ में गंभीर रूप से घायल हुए एक अधिकारी समेत चार सैन्यकर्मियों ने मंगलवार को दम तोड़ दिया।

इससे पहले, अधिकारियों ने बताया था कि सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात डोडा में एक वन क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक सैन्य अधिकारी और एक पुलिसकर्मी समेत पांच सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इनमें से चारों सैन्यकर्मी शहीद हो गये, जबकि घायल पुलिसकर्मी जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है।

एक अधिकारी ने बताया, मुठभेड़ तब शुरू हुई जब राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस के विशेष अभियान दल (एसओजी) के जवानों ने कल (सोमवार) शाम करीब 7.45 बजे देसा वन क्षेत्र के धारी गेट उरारबागी में सीएएसओ (घेराबंदी और तलाशी अभियान) शुरू किया। शुरू में 20 मिनट से अधिक समय तक चली गोलीबारी में एक अधिकारी समेत चार सैन्यकर्मी और एक पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने कहा, इलाके में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान जारी है। डोडा जम्मू संभाग के उन घने जंगलों वाले पहाड़ी जिलों में से एक है, जहां आतंकवादी गुरिल्ला हमले कर रहे हैं।

डोडा हमले पर विपक्ष ने पीएम मोदी को घेरा, कहा – आप तो कहते थे घर में घुस कर मारेंगे, लेकिन यहां तो...

नई दिल्ली ,जम्मू कश्मीर में एक बार फिर आतंकी घटनाओं के खबरें लगातार बढ़ती जा रही हैं। सोमवार की देर रात सेना के जवानों और आतंकियों के बीच डोडा में मुठभेड़ हुई। इस दौरान वहीं जम्मू–कश्मीर पुलिस के जवान भी मौजूद थे। बताया गया कि अनंत के चार जवान और एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। अब इस मामले में मोदी सरकार पर विपक्ष लगातार हमलवार है और विपक्ष का कहना है कि पीएम मोदी तो कहते थे कि घर में घुसकर मारेंगे लेकिन इसा उल्टा हो रहा है।

सीना 56 इंच से कम हो गया है क्या...

इस मामले में ढ्ढरूढ्ढरू प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कहते थे हम घर में घुस कर मारेंगे। फिर यह क्या हो रहा है ? यह सरकार की विफलता है। वे आतंकवाद को नियंत्रित नहीं कर पा रहे हैं। डोडा में जो कुछ भी हुआ है वह बहुत खतरनाक है।

राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख को दी कार्रवाई की खुली छूट

नई दिल्ली ,जम्मू–कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों के साथ सोमवार शाम शुरू हुई मुठभेड़ रात भर चलती रही। इस मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी और सेना के एक अधिकारी और चार सैन्यकर्मी शहीद हो गए हैं। इसे लेकर अब सरकार सख्त एक्शन के मूड में नजर आ रही है। जानकारी के मुताबिक, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख से बात की है और मामले का संज्ञान लिया है। खबर है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख को आतंक के खिलाफ कार्रवाई के लिए खुली छूट दी है। उधर, जम्मू–कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादियों की तलाश के लिए सेना के हेलीकॉप्टर की मदद ली जा रही है। आतंकवादी डोडा के घने जंगलों में छिपे हैं। सेना और पुलिस के जवान वहां पहले से सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। आतंकवादियों को चारों तरफ से घेरने के लिए अब हेलीकॉप्टर से भी तलाशी शुरू कर दी गई है। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के मुताबिक, राष्ट्रीय राइफल्स और पुलिस के विशेष अभियान दल (एसओजी) के जवानों ने सोमवार रात डोडा के डेसा वन क्षेत्र के धारी गेट उरारबागी में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। रात लगभग नौ बजे अभियान दल आतंकवादियों के काफी करीब पहुंच गया जिसके बाद भारी गोलीबारी हुई। प्रारंभिक रिपोर्टों में बहादुर जवानों के हताहत होने का पता चला है। क्षेत्र में अतिरिक्त सैनिकों को भेज दिया गया है। ऑपरेशन जारी है।

दो महीने में सभी शिक्षकों के दस्तावेज जांचकर रिपोर्ट दें: हाईकोर्ट

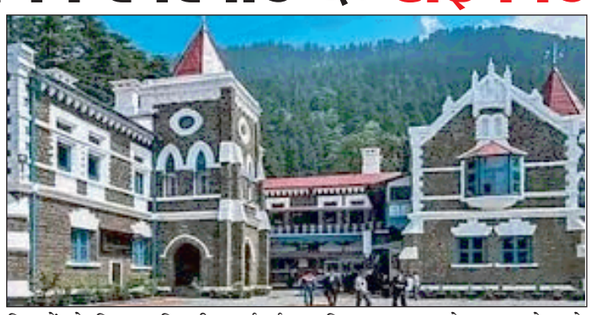

नैनीताल, हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से उत्तराखंड के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति पाने के आरोप से घिरे सभी शिक्षकों के दस्तावेजों का दो माह के भीतर सत्यापन कर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मामले की सुनवाई मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति रितु बाहरी एवं न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में हुई।सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने मामले में प्रगति रिपोर्ट पेश की। सरकार की ओर से कहा गया कि प्रदेश के 80 प्रतिशत शिक्षकों के दस्तावेजों की जांच की जा चुकी है। शेष 20 प्रतिशत शिक्षक ऐसे हैं, जिन्होंने राज्य से बाहर के अन्य संस्थानों से शिक्षा प्राप्त कर शैक्षिक योग्यता हासिल की है। इनमें जम्मू कश्मीर, यूपी से रुहेलखंड विश्वविद्यालय आदि संस्थान शामिल हैं। ऐसे में दस्तावेजों की जांच के लिए समय दिए जाने के अनुरोध कोर्ट से किया। कोर्ट को बताया कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नियुक्ति पाए शिक्षकों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई जारी है। कुछ शिक्षकों ने इस कार्रवाई को उच्च न्यायालय में चुनौती भी दी है।

मामले के अनुसार, स्टूडेंट वेलफेयर सोसायटी हल्द्वानी ने जनहित याचिका दायर कर कहा है कि राज्य के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में करीब साढ़े तीन हजार शिक्षक जाली दस्तावेजों के आधार पर फर्जी तरीके से नियुक्त पा गए हैं। इनमें से कुछ शिक्षकों के मामलों की एसआईटी जांच की गई। याचिका में आरोप है कि इनमें खचेडू सिंह, ऋषिपाल, जयपाल के नाम सामने आने के बावजूद विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत के कारण इन्हें क्लीन चिट दे दी गई। ये बतौर शिक्षक अब भी कार्यरत हैं। सोसायटी ने इस प्रकरण की एसआईटी से जांच कराने के लिए कहा है। पूर्व में राज्य सरकार ने कोर्ट में शपथ पत्र पेश कर कहा था कि मामले की एसआईटी जांच चल रही है। अब तक 84 अध्यापकों के दस्तावेज जाली पाए गए हैं, इन पर विभागीय कार्रवाई चल रही है।

रिश्वत प्रकरण में बीईओ खानपुर निलंबित

देहरादून, हरिद्वार के खानपुर ब्लॉक में विजीलेंस की ओर से रिश्वत लेते हुए पकड़े गए खंड शिक्षा अधिकारी खानपुर को निलंबित कर दिया गया है। शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत के निर्देश पर निलंबन के साथ ही आरोपी बीईओ को सीईओ कार्यालय अटैच कर दिया गया है। आरोपी खंड शिक्षा अधिकारी अयाजुद्दीन को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करते हुए सीईओ कार्यालय हरिद्वार में सम्बद्ध कर दिया गया है। इस मामले में विभागीय अधिकारियों को भी जांच के निर्देश दिए गए। इसके अलावा पौड़ी के कोट ब्लॉक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय राणाकोट में तैनात शिक्षक के वायरल वीडियो का भी शिक्षा मंत्री ने संज्ञान लिया। शराब पीकर स्कूल आने वाले शिक्षक को निलंबित करने के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी पौड़ी को दिए। आरोपी शिक्षक को उप खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कोट से सम्बद्ध कर दिया गया है।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि सरकार प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में जुटी है। दूसरी ओर कुछ कर्मचारी विभाग की छवि धूमिल करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों की अनैतिक गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। कहा कि दोनों प्रकरणों की जांच गम्भीरता से की जाएगी। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। ताकि शिक्षा विभाग में भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

फूलचट्टी में नहाते हुए युवक गंगा में बहा

ऋषिकेश, डांस प्रैक्टिस के लिए फूलचट्टी में पहुंचे 22 लोगों के ग्रुप में से एक युवक गंगा में नहाने के दौरान बह गया। साथियों की सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और उसकी तलाश को अभियान चलाया, लेकिन देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका। लक्ष्मणझूला पुलिस के मुताबिक फूलचट्टी में कुछ दिन पहले यह ग्रुप यहां पहुंचा था। मंगलवार को प्रैक्टिस का अंतिम दिन था। सुबह 22 वर्षीय हिमांशु गौनियाल निवासी बौराड़ी, दिल्ली ग्रुप के कुछ सदस्यों के साथ गंगा में नहाने चला गया। अचानक संतुलन बिगड़ने पर वह तेज प्रवाह की चपेट में आ गया। आंखों से ओझल होते ही साथियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिसकर्मी और एसडीआएफ के जवान मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल से लेकर बैराज जलाशय तक हिमांशु की तलाश की लेकिन शाम तक कोई सुराग नहीं लग सका। अंधेरा होने के चलते तलाशी अभियान को रोकना पड़ा। एसडीआरएफ निरीक्षक कविंद्र सजवाण ने बताया कि बुधवार को फिर से गंगा में बहे युवक की तलाश की जाएगी।

मुख्यमंत्री धामी ने किया जागेश्वर धाम के प्रसिद्ध श्रावणी मेले का शुभारंभ

● वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश ● जनपद के विकास को लेकर की एक दर्जन से अधिक घोषणाएं

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को प्रसिद्ध जागेश्वर धाम में एक महीने तक चलने वाले श्रावणी मेले का पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया। उन्होंने जागेश्वर के भंडारा स्थल में पदम का वृक्ष लगाकर हरेला की शुभकामनाओं के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की।मुख्यमंत्री ने कहा कि जागेश्वर धाम पौराणिक संस्कृति का अप्रतिम प्रतीक है। यहां आकर एक अलग ही शांति की अनुभूति मिलती है। भगवान जागेश्वर सभी श्रद्धालुओं पर अपनी कृपा रखते हैं। कहा कि यहां कोई अपनी मर्जी से नहीं बल्कि बाबा के बुलावे पर ही आता है। श्रावणी मेले को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रावणी मेला पौराणिक संस्कृति का जीता जागता उदाहरण है। श्रावणी मेला सदियों से श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश वासियों को हरेला पर्व एवं श्रावणी मेले की शुभकामनाएं देते हुए डबल इंजन की सरकार उत्तराखंड के विकास को समर्पित सरकार है। इसी का परिणाम है कि नीति आयोग द्वारा जारी की गई सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में उत्तराखंड प्रथम स्थान पर आया है। यह उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सरयू (सेराघाट) से वृद्ध जागेश्वर सहित जागेश्वर क्षेत्र के लिए पेयजल पंपिंग योजना का निर्माण, भगततोला कपकोट मोटर मार्ग का डामरीकरण, मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत वृद्ध जागेश्वर को धार्मिक पर्यटन से जोड़ने, भिकियासेन में डाम का निर्माण, चमडखान में बैंक की स्थापना, भरतोली के प्राचीन देवायल मंदिर का जीर्णोंधार, डिप्टेश्वर महादेव एवं कोटेश्वर महादेव का जीर्णोंधार तथा सौंदर्यीकरण किये जाने, मर्चुला भिकियासेन मोटर मार्ग पर रामगंगा नदी पर मोटर पुल का निर्माण, महात्मा गांधी इंटर कॉलेज चनोदा सोमेश्वर के अपूर्ण भवन का निर्माण किये जाने, चायखन-थूवासीमल से ध्युली-धोनी व ध्यूली रैतेला-चौना बैंड तक लिंक रोड का निर्माण किये जाने, सोमेश्वर के ग्राम सभा रहत में धूनी गैर नामक स्थान पर तथा शहर फाटक नंगधूनी मंदिर के पास मिनी स्टेडियम का निर्माण किये जाने, विकासखंड हवालबाग के गोविंदपुर स्थित देवडघाट के नानकोसी में मिनी बैराज का निर्माण के साथ जागेश्वर विधानसभा में 40 किमी. डामरीकरण के प्रस्ताव आदि कार्यों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य के विकास को समर्पित सरकार है। अल्मोड़ा के कोसी से कौसानी तक साइकिल ट्रैक का निर्माण कार्य किया जा रहा है जिससे अल्मोड़ा जनपद के पर्यटन को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा शहर के विस्तार की भी योजना बनायी जा रही है।

आईआईएम रोहतक ने प्रस्तुत की चारधाम यात्रा पर स्टडी रिपोर्ट

– मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने चारधाम की धारण क्षमता पर आईआईएम रोहतक की रिपोर्ट की समीक्षा कर सुगम सुरक्षित यात्रा का एक्शन प्लान बनाने के निर्देश दिए

देहरादून, मुख्य सचिव राधा रतूड़ी द्वारा सचिवालय में मंगलवार को आईआईएम रोहतक के निदेशक व उनकी टीम द्वारा चारधाम यात्रा की धारण क्षमता तथा एसओपीएस को सुधारने तथा श्रद्धालुओं हेतु यात्रा को अधिकाधिक सुखद, सुगम व सुरक्षित बनाने हेतु तैयार की गई अध्ययन रिपोर्ट पर गहन चर्चा की गई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने निर्देश दिए कि सुगम व सुरक्षित चारधाम यात्रा हेतु बनने वाले एक्शन प्लान के लिए चारों धामों की धारण क्षमता के सटीक आकलन का प्रयास किया जाए। एक्शन प्लान में श्रद्धालुओं हेतु चिकित्सा एवं आपातकालीन सेवाओं की पुख्ता व्यवस्था, यात्रा के प्रभावी प्रबंधन एवं मॉनिटरिंग तथा स्थानीय इकोलॉजी को संरक्षित करते हुए स्थानीय आर्थिकी को मजबूत करने जैसे मुद्दों का विशेष ध्यान रखा जाए।मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने एक्शन प्लान में सड़कों की स्थिति में सुधार, ट्रैफिक जाम, कपाट खुलने के बाद धामों में प्रथम 40 दिनों में ओवरक्राउडिंग की समस्या के समाधान, श्रद्धालुओं की फीडबैक की व्यवस्था को प्रमुखता से रखने के निर्देश दिए हैं।

बैठक में श्रद्धालुओं के रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था को सरल बनाने के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी आईडेनटिफिकेशन तथा आधार बेस्ड रजिस्ट्रेशन पर चर्चा की गई। इसके साथ ही चारधाम यात्रियों की सुरक्षा व सुविधा की दृष्टिगत एक एसएमएस वेदर अपडेट सिस्टम लागू करने, यात्रारुट पर पीपीपी मॉडल या सीएसआर के तहत मेडिकल सुविधा प्रदान करने, धामों में भीड़ नियंत्रण हेतु बैच वाइज़ दर्शन व्यवस्था को लागू करने और पार्किंग कैपेसिटी की समीक्षा करने पर भी चर्चा की गई।

फिर से बेच दी गई पहले से बिकी जमीन

देहरादून। पूर्व में बेच दी गई भूमि को दुबारा बेचकर धोखाधड़ी के मामले में ज्वालापुर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर मंगलवार को आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।कोर्ट को दिए प्रार्थना पत्र में भगवती प्रसाद केमनी निवासी लेन नंबर–5 सृष्टि विहार दीपनगर अजबपुर कलां देहरादून ने बताया कि खेती की भूमि खरीदने के लिए उनकी मुलाकात तेजपाल निवासी ग्राम बाडीटीप से हुई थी। आरोप है कि उसने जमीन दिखाकर खुद को उसका स्वामी बताया था। डीएवी स्कूल लक्सर मार्ग के पास भूमि का बैनामा 23 मार्च 2022 को को उसके हक में कर दिया था। आरोप है कि कुछ समय बाद उसे जानकारी हुई कि यह भूमि तेजपाल के पिता रगवीर सिंह ने वर्ष 2005 में प्रीतम सिंह पुत्र पुन्ना निवासी प्रतीत नगर डाण्डी रायवाला जिला देहरादून को बेची हुई है। आरोप है कि रकम वापस मांगने पर हत्या की धमकी दी गई।

मॉडल खेती का प्रारूप तैयार कर रही मोदी सरकार

नई दिल्ली। विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार छोटे किसानों के समग्र विकास पर जोर दे रही है। इसके तहत दो–ढाई एकड़ जमीन वाले सीमांत किसानों के लिए मॉडल फार्म बनाए जा रहे हैं। प्रारूप तैयार किया जा रहा है, जिसमें बताया जाएगा कि किसानों को छोटे खेत में उन्नत उत्पादन के लिए क्या–क्या करना चाहिए।

कृषि मंत्री ने की घोषणा

कृषि विज्ञानियों की टीम वर्ष में एक महीने तक गांवों में किसानों के बीच प्रवास करेगी। खेती की तकनीक बताएगी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के 96वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उक्त जानकारी दी।

किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

आईसीएआर एक स्वायत्त निकाय है, जिसकी स्थापना 16 जुलाई 1929 को हुई थी। शिवराज ने कृषि के विविधिकरण कर किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न फसलों की 25 किस्में एवं कचरे से बने उत्पाद जारी किए। कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी विकास मंत्री ललन सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य दूध के निर्यात में भी दुनिया में नंबर वन पर पहुंचने का है।

अनंत अंबानी की शादी में था विस्फोट करने का प्लान, इस तरह हुआ खुलासा

मुंबई , दुनियाभर में मुकेश अंबानी के बेटे की शादी चर्चा में बनी रही। इसी बीच अब खबर ये आ रही है कि मुंबई पुलिस ने अनंत अंबानी की शादी में बम की धमकी देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शख्स ने शादी में बम की धमकी दी थी। दरअसल, आरोपित शख्स ने सोशल मीडिया पोस्ट पर अंबानी के घर बम होने की धमकी दी थी। पुलिस के मुताबिक, 32 वर्षीय आरोपी विरल शाह गुजरात के वडोदरा का रहने वाला है और पेशे से वह एक इंजीनियर है। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान एक्स यूजर का पता वडोदरा में चला। इसके बाद मुंबई अपराध शाखा की एक टीम को गुजरात भेजा गया और आरोपी को वडोदरा से पकड़ लिया गया। अब आरोपी को मुंबई लाया जा रहा है। इससे पहले, मुंबई पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की बांद्रा–कुर्ला कॉम्प्लेक्स में सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया था। अनंत अंबानी की शादी में बम की संभावित धमकी से संबंधित एक सोशल मीडिया पोस्ट के संबंध में पुलिस ने जांच शुरू कर दी थी। बता दें कि सोशल मीडिया पर यह पोस्ट स्न्नस्न्नस्न्नढ्ढक्र नाम के यूजर ने किया था। इस पोस्ट में उसने लिखा था कि अगर अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में बम विस्फोट हो जाए, तो पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था उलट जाएगी। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर सोशल मीडिया पोस्ट में आरोपी ने लिखा था, ह्यमेरे दिमाग में एक बेशर्मी भरा विचार आया कि अगर अंबानी की शादी में बम फट गया, तो आधी दुनिया उलट जाएगी। एक पिन कोड में खरबों डॉलर।

मानसून सत्र के पहले केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नई दिल्ली ,संसद के बजट सत्र से पहले केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। सर्वदलीय बैठक 21 जुलाई को सुबह 11 बजे दिल्ली के संसदीय सौध स्थित मुख्य समिति कक्ष में होगी।

23 जुलाई को पेश होगा बजट

देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को लोकसभा में बजट पेश करेंगी। इस बार का बजट इसलिए भी महत्वूर्ण हो जाता है क्योंकि मोदी सरकार को इस बार उतनी सीटें नहीं मिली जितनी सोची गई थी। इसलिए उम्मीद की जा सकती है कि इस बार के बजट में आम आदमी को लुभाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

हंगामों से भरा था पिछला सत्र

बता दें कि संसद का बजट सत्र 22 जुलाई को शुरू होगा और सरकारी कामकाज की अनिवार्यताओं के अधीन यह सत्र 12 अगस्त को समाप्त हो सकता है। संसद का पिछला सत्र काफी हंगामों से भरा रहा था विपक्ष ने नीट मामले में दोनों सदनों में काफी हंगामा किया था।

अब रक्षा उत्पाद होगा मेक इन इंडिया , हजार करोड़ से ज्यादा का होगा फायदा

नई दिल्ली ,। रक्षा के क्षेत्र में केंद्र सरकार ने आत्मनिर्भरता की ओर एक और कदम आगे बढ़ाया है। डिफेंस प्रोडक्शन डिपार्टमेंट ने कहा है कि 346 रक्षा उत्पाद स्वदेशी कंपनियों से ही खरीदे जाएंगे जिससे एक हजार करोड़ से ज्यादा का लाभ होगा। रक्षा उत्पादन विभाग ने 346 वस्तुओं की पांचवीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची (पीआईएल) जारी करते हुए यह बात कही है। इस सूची में रणनीतिक रूप से अहम लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट, असेंबली, सब–असेंबली, सिस्टम, सब–सिस्टम, और रक्षा उत्पादों के लिए कच्चा माल शामिल है। इसके बाद सरकारी रक्षा कंपनियां इन उत्पादों का आयात नहीं कर सकेंगी।

आयात के बचेंगे 1,048 करोड़ रुपए

रक्षा मंत्रालय ने 2020 में सृजन डिफेंस पोर्टल लॉन्च किया था। इस पोर्टल पर रक्षा उत्पादन विभाग व सेवा मुख्यालय, एमएसएमई कंपनियों और विभिन्न स्टार्ट–अप सहित उद्योगों को स्वदेशीकरण के लिए रक्षा वस्तुएं प्रदान करते हैं। स्वदेशीकरण की जो नई लिस्ट तैयार की गई है, उनकी एक समयसीमा के बाद भारतीय उद्योगों से खरीद की जाएगी। रक्षा सूत्रों ने बताया है कि इससे आयात के 1,048 करोड़ रुपए बचेंगे। साथ ही अर्थव्यवस्था की रफ्तार भी इससे तेज होगी। इसके अलावा रक्षा के क्षेत्र में निवेश बढ़ेगा और आयात पर निर्भरता कम होगी। सरकार के इस कदम से अकादमिक व अनुसंधान संस्थानों की भागीदारी के चलते घरेलू रक्षा उद्योग की डिजाइन क्षमता भी बढ़ेगी।

संपादकीय

आखिर और कितनी शहादत?

कश्मीर घाटी के हालात अब लगता है कि नियंत्रण से बाहर होते जा रहे है। धारा 370 जैसा बड़ा कदम उठाने के बावजूद भी किसी प्रकार की घटनाओं के बाद सरकार की नीतियां विपक्ष के निशाने पर है। उधर लगातार हो रही भारतीय सैनिकों की शहादतों से पूरे देश में दुख के साथ पड़ोसी देश और आतंकवाद के खिलाफ गुस्सा अब सड़कों पर नजर आने लगा है। देश की जनता सरकार और सुना पर निगाहें लगाए बैठी है की कब कोई बड़ा कदम इस खुराफात को नष्ट करने के लिए उठाया जाएगा। बेहद दुख की बात है कि लगातार हो रहे आतंकी गतिविधियों के बीच एक और आतंकी हमले में चार जवान बलिदान हो गए। पिछले तीन वर्ष में जम्मू संभाग में यह सातवां बड़ा हमला था। इन सात हमलों में अब तक 32 जवान बलिदान हो चुके है। आतंकवादियों ने कश्मीर के साथ ही अब जम्मू सेक्टर को भी हम लोग का निशाना बनाया है। इसी के तहत आतंकवादी पुंछ के भाटाडूड़ियों के जंगलों से निकल कर डोडा तक पहुंच गए हैं। आश्चर्य तो इस बात पर हो रहा है कि आतंकी मंसूबों पर रोकथाम नही लग पा रही है और तमाम कोशिशों के बावजूद भी आतंकियों पर कार्रवाई रणनीतिक बैठकों और सर्च ऑपरेशन तक सीमित होकर रह गई है। देखा जाए तो अब बयानबाजी और समझने समझाने का समय नही रह गया है और आतंकियों पर अब बड़ी और तत्काल कार्रवाई की जरूरत है। जंगलों में छिपे आतंकियों पर कार्रवाई के लिए आधुनिक संचार नेटवर्क, खुफिया तंत्र को मजबूत करने की जरूरत है। जिस प्रकार से सरकार ने घाटी में शांति बहाल करने के लिए स्थानीय लोगों को अपने साथ जोड़ा था एक बार पुनः उसे मुहिम को चलाने की जरूरत है और सुरक्षा एजेंसियों को अपने साथ जंगल के हर एक गांव को जोड़ने की मुहिम पर भी आगे बढ़ना चाहिए विशेष तौर पर युवाओं और पूर्व सैनिकों को इस अभियान का हिस्सा बनाया जा सकता है। वक्त आ गया है कि सुरक्षा बलों के अतिरिक्त जम्मू कश्मीर के पूर्व सैनिकों को भी आतंकवाद उन्मूलन मुहिम से जोड़ा जाए और आंतरिक खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने में उनकी मदद ली जाए। जाहिर है लगातार हमलों के बाद विपक्ष भी सरकार पर हावी होगा और सरकार के लिए भी अभी पक्ष के सवालों पर जवाब देना भारी पड़ रहा है। इन हमलों को लेकर विपक्ष ने केंद्र के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सुरक्षा बलों पर आतंकवादियों के हमले सीधे तौर पर देश की सुरक्षा और सुरक्षा को लेकर बनाई गई नीतियों पर प्रहार है। यही समय है कि अब यदि सरकार हदों से आगे बढ़कर कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं जुटा पाई तो फिर समझ लेना चाहिए कि समय-समय पर ऐसे आतंकी हमले पड़ोसी मुल्क में पल रहे आतंकवादी संगठनों द्वारा किए जाते रहेंगे। समय आ गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कुछ वक्तव्य को चरितार्थ करें जिसमें वह चुनावी मंच से "घर में घुसकर मारेंगे" जैसे शब्दों से पड़ोसी मुल्क को चेतावनी दिया करते थे।

निजी एयर चार्टर कंपनी पर विशेष मेहरबानियां

सुरक्षा मंजूरी को प्राप्त करने के लिए, कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों व निदेशकों को उनके खिलाफ लंबित कानूनी मामलों की घोषणा करना अनिवार्य होता है। इनमें से यदि किसी भी व्यक्ति को, किसी भी मामले में, दोषी पाया गया हो, तो उसकी सुरक्षा मंजूरी को तब तक वैध नहीं किया जा सकता जब तक वह कानूनी मामलों से मुक्त नहीं हो जाता। ऐसे व्यक्ति द्वारा इन तथ्यों को छिपाने पर संबंधित अधिकारियों द्वारा उस पर मुकदमा भी चलाया जा सकता है। सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स (सीएआर) के प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी कारण से एयरलाइन के उच्च अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी जाती है तो उस कंपनी के 'एयर ऑपरेटर परमिट' का भी नवीनीकरण नहीं किया जा सकता। देश के कानून का उल्लंघन करने पर जो भी करवाई होती है वो ज्यादातर आम नागरिकों पर ही होती है। परंतु आपके सत्ता में ऊंचे संपर्क हैं तो आप प्रायः कानूनी करवाई से बच निकलते हैं। यही किया है भारत के नामी उद्योगपति अशोक चतुर्वेदी ने। 'ए आर एयरवेज' के नाम से पंजीकृत इनकी निजी चार्टर एयरलाइन को 'क्लब वन' के नाम से भी जाना जाता है। चूंकि ये एयरलाइन देश के जाने माने और प्रभावशाली व्यक्तियों को अपनी सेवाऐं प्रदान करती है। शायद इसलिए श्री चतुर्वेदी नियमों की धज्जियां उड़ा कर, गृह मंत्रालय द्वारा सिक्योरिटी क्लीयरेंस यानी सुरक्षा मंजूरी की बुनियादी आवश्यकताओं का लगातार उल्लंघन करते हुए यह एयरलाइन चला रहे हैं।

रजनीश कपूर

जब भी किसी बड़े उद्योगपति, अभिनेता, मशहूर हस्ती या राजनेता को हवाई यात्रा करनी पड़ती है तो वे अक्सर निजी चार्टर सेवा को ही चुनते हैं। निजी चार्टर सेवा महंगी तो अवश्य पड़ती है परंतु मशहूर हस्तियों को अपनी सुविधा अनुसार यात्रा करना और समय बचाना काफ़ी सुविधाजनक लगता है। इसी के चलते हमारे देश में निजी चार्टर सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। साधारण एयरलाइन की तरह निजी चार्टर कंपनियों को भी देश के कानून का पालन करते हुए ही ये सेवाएं चलाने दी जाती हैं। नागरिक उड्डयन के सभी नियम और कानून का पालन सही तरह से हो, इसके लिए भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय व उसकी विभिन्न एजेंसियां यह सुनिश्चित करती हैं कि एयरलाइन इनमें कोई कोताही न बरतें। परंतु क्या ऐसा सभी के साथ हो रहा है? क्या किसी निजी चार्टर एयरलाइन के साथ कोई पक्षपात तो नहीं किया जा रहा?

ताज़ा मामला निजी चार्टर सेवा प्रदान करने वाली एक कंपनी का है, जिस पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारी कुछ विशेष मेहरबानियां कर रहे हैं। इन मेहरबानियों के चलते अति विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा के साथ न सिर्फ़ खिलवाड़ हो रहा है, बल्कि दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश की खुलेआम धज्जियां भी उड़ाई जा रही हैं। 'ए आर एयरवेज़' नाम की एक निजी एयर चार्टर कंपनी यह खिलवाड़ कर रही है।

उल्लेखनीय है कि किसी भी गैर अनुसूचित एयरलाइन के शीर्ष प्रबंधन को नागरिक उड्डयन आवश्यकताएं धारा–3, श्रृंखला–सी, भाग–ढ्ढढ्ढढ्ढ के पैरा 11 का अनुपालन करना होता है, जिसके अनुसार, गैर–अनुसूचित ऑपरेटर के परमिट के नवीनीकरण के लिए नई सुरक्षा मंजूरी की आवश्यकता होती है। कंपनी और उसके निदेशकों की व्यक्तिगत सुरक्षा मंजूरी के नवीनीकरण का अनुरोध परमिट की समाप्ति से 180 दिन पहले 'ई सहज पोर्टल' के माध्यम से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

सुरक्षा मंजूरी को प्राप्त करने के लिए, कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों व निदेशकों को उनके खिलाफ लंबित कानूनी मामलों की घोषणा करना अनिवार्य होता है। इनमें से यदि किसी भी व्यक्ति को, किसी भी मामले में, दोषी पाया गया हो, तो उसकी सुरक्षा मंजूरी को तब तक वैध नहीं किया जा सकता जब तक वह कानूनी मामलों से मुक्त नहीं हो जाता। ऐसे व्यक्ति द्वारा इन तथ्यों को छिपाने पर संबंधित अधिकारियों द्वारा उस पर मुकदमा भी चलाया जा सकता है। सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट्स (सीएआर) के प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी कारण से एयरलाइन के उच्च अधिकारियों की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी जाती है तो उस कंपनी के 'एयर ऑपरेटर परमिट' का भी नवीनीकरण नहीं किया जा सकता।

देश के कानून का उल्लंघन करने पर जो भी करवाई होती है वो ज्यादातर आम नागरिकों पर ही होती है। परंतु आपके सत्ता में ऊंचे संपर्क हैं तो आप प्रायः कानूनी करवाई से बच निकलते हैं। यही किया है भारत के नामी उद्योगपति अशोक चतुर्वेदी ने। 'ए आर एयरवेज' के नाम से पंजीकृत इनकी निजी चार्टर एयरलाइन को 'क्लब वन' के नाम से भी जाना जाता है। चूंकि ये एयरलाइन देश के जाने माने और प्रभावशाली व्यक्तियों को अपनी सेवाऐं प्रदान करती है। शायद इसलिए श्री चतुर्वेदी नियमों की धज्जियां उड़ा कर, गृह मंत्रालय द्वारा सिक्योरिटी क्लीयरेंस यानी सुरक्षा मंजूरी की बुनियादी आवश्यकताओं का लगातार उल्लंघन करते हुए यह एयरलाइन चला रहे हैं।

गौरतलब है कि 'ए आर एयरवेज' को एयर ऑपरेटर परमिट 2005 में दिया गया था। जिसका समय समय पर नवीनीकरण किया गया। इसका आखिरी नवीनीकरण 2019 से 2024 तक किया गया। परंतु इस कंपनी के मालिक अशोक कुमार चतुर्वेदी को 2010 में एक आपराधिक मामले में सीबीआई द्वारा दोषी ठहराया गया। चतुर्वेदी को 13 दिसम्बर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश के तहत जमानत पर रिहा अवश्य किया गया, परंतु आरोप मुक्त अभी तक नहीं किया गया। इस मामले में उनकी याचिका अभी भी उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है। उल्लेखनीय है कि इसी मामले में उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्य सचिव श्रीमती नीरा यादव को भी जेल जाना पड़ा था।

उल्लेखनीय है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 30 जुलाई 2020 को 'ए आर एयरवेज' को एक कारण बताओ नोटि जारी किया, जिसमें बताया गया कि गृह मंत्रालय से प्राप्त इनपुट के आधार पर, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अपने पत्र दिनांक 26 जून 2020 के माध्यम से अशोक चतुर्वेदी की सुरक्षा मंजूरी के नवीनीकरण से इनकार कर दिया है।

नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया कि सुरक्षा मंजूरी से इनकार के मद्देनजर, अशोक चतुर्वेदी नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं का अनुपालन में नहीं कर रहे, इसलिए उन्हें यह नोटिस जारी किया गया कि उनका एयर ऑपरेटर परमिट भी क्यों न रद्द कर दिया जाए?

अशोक चतुर्वेदी व उनकी कंपनी द्वारा संतोषजनक उत्तर न मिलने पर मंत्रालय ने दिनांक तीन सितम्बर और चार सितम्बर 2020 के आदेशों के अनुसार, उन्हें सुरक्षा मंजूरी देने से इनकार करने पर उनके कर्मचारियों के हवाईअड्डे के प्रवेश परमिट भी रद्द कर दिए। इसी आधार पर चतुर्वेदी की एयरलाइन की एयर ऑपरेटर की सुरक्षा मंजूरी को भी अस्वीकार कर दिया गया। चूंकि एयर ऑपरेटर परमिट के अनुदान/नवीनीकरण के लिए सुरक्षा मंजूरी एक ज़रूरी पूर्व आवश्यकता है, इसलिए दिनांक सात सितंबर 2020 के आदेश के अनुसार डीजीसीए ने 'ए आर एयरवेज' का 'एयर ऑपरेटर परमिट' भी रद्द कर दिया।

इन नोटिसों को चुनौती देते हुए 'ए आर एयरवेज' ने दिल्ली उच्च न्यायालय से नोटिस की करवाई पर रोक तो लगवा ली, परंतु माननीय उच्च न्यायालय के 15 फरवरी 2021 के आदेश अनुसार सरकार को यह स्पष्ट निर्देश दिये कि कानूनी सलाह के आधार पर सरकार कंपनी के खिलाफ उचित कार्यवाही के लिए स्वतंत्र है। चतुर्वेदी के रसूख और संबंधों के चलते व नागरिक उड्डयन मंत्रालय में हर स्तर पर अपने संबंधों के चलते, 2021 से आजतक उन्होंने यह सुनिश्चित कर लिया है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को न तो चुनौती दे और ना ही अदालत के फैसले के अनुसार, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करे। बल्कि नागरिक उड्डयन के नियमोंके विरुद्ध वे 'ए आर एयरवेज' के एयर ऑपरेटर परमिट का एक के बाद एक अस्थायी तौर पर नवीनीकरण किए जा रहे हैं, जिसके आधिकारिक प्रमाण लेखक के पास मौजूद हैं।

यह राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने का एक स्पष्ट और संवेदनशील मामला है। जहां कंपनी के निदेशक इस अपराध के दोषी हैं वहीं नियम पुस्तिका की अनदेखी करने पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय, उसकी सहयोगी एजेंसियां और अन्य संबंधित मंत्रालय भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। ये आश्चर्य की बात है कि मीडिया में इस मामले के बार बार उठने के बावजूद मंत्रालय जाग नहीं रहा है। अब देखना यह है कि इतने बड़े मामले को कब तक दबाया जाता है?

राहुल को प्रादेशिक क्षत्रपों पर से निर्भरता कम करनी होगी

अजीत द्विवेदी

लोकसभा चुनाव, 2024 में कांग्रेस की बढ़ी ताकत का इस्तेमाल क्या राहुल गांधी पार्टी को मजबूत करने और स्वतंत्र व बेलगाम क्षत्रपों को काबू करने के लिए करेंगे? यह लाख टके का सवाल है। हकीकत यह है कि लोकसभा चुनाव, 2024 से पहले तक कांग्रेस के प्रादेशिक क्षत्रप लगभग मनमाना आचरण कर रहे थे। आलाकमान यानी सोनिया और राहुल गांधी के लिए उनको निर्देश देना असंभव सा काम था। क्षत्रप आलाकमान का नाम लेते थे और उनके प्रति सार्वजनिक रूप से सम्मान भी जाहिर करते थे लेकिन करते अपने मन की थे। अगर कभी कांग्रेस आलाकमान को उनके खिलाफ कोई कदम उठाना पड़ा तब या तो कामयाबी नहीं मिली या जिसके खिलाफ कदम उठाया उसने पार्टी छोड़ दी।

कांग्रेस आलाकमान के साथ वही रहा, जिसकी सत्ता को नेहरू गांधी परिवार ने चुनौती नहीं दी। कैप्टेन अमरिंदर सिंह को हटाया या गुलाम नबी आजाद को राज्यसभी नहीं मिली तो वे पार्टी छोड़ गए। असम में तरुण गोगोई को 15 साल तक, दिल्ली में शीला दीक्षित को 15 साल तक, हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा को 10 साल तक सीएम बनाए रखा गया तो ये सब लोग कांग्रेस के साथ रहे। लेकिन अंत नतीजा यह हुआ कि इन राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई तो एक दशक के बाद भी इन राज्यों में कांग्रेस के लिए सत्ता में वापसी मुश्किल या नामुमकिन दिख रही है।असल में सोनिया और राहुल के दौर में पिछले ढाई दशक में कांग्रेस का शक्ति संतुलन लगभग पूरी तरह से बदल गया था। राजीव गांधी के समय तक सत्ता का केंद्र दिल्ली होती थी। सोनिया गांधी के कांग्रेस की कमान संभालने के बाद इसकी संरचना में बदलाव आने लगा और एक दशक में यह दिल्ली से शिफ्ट होकर अलग अलग राज्यों में पहुंच गया। आलाकमान या नेहरू गांधी परिवार कांग्रेस की सत्ता का केंद्र तो बना रहा लेकिन उसकी ताकत आभासी रह गई। उसे राज्यों के क्षत्रपों से रोशनी और ताकत दोनों लेनी होती थी।

आंध्र प्रदेश में वाईएसआर रेड्डी, हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा, मध्य प्रदेश में कमलनाथ, असम में तरुण गोगोई, दिल्ली में शीला दीक्षित, पंजाब में कैप्टेन अमरिंदर सिंह, राजस्थान में अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल, हिमाचल प्रदेश में वीरभद्र सिंह से कांग्रेस आलाकमान को थोड़ी थोड़ी शक्ति मिलती थी। ये सब नेहरू गांधी परिवार के नाम की कसमें खाते थे लेकिन उनके कंट्रोल में नहीं थे। इनमें से किसी को हटाने की हैसियत कांग्रेस आलाकमान की नहीं थी। इन क्षत्रपों ने राज्य की राजनीति में अपना एकाधिकार बना लिया था, पार्टी के दूसरे नेताओं की अनदेखी करते थे और पार्टी कमजोर हो रही थी इसके बावजूद सोनिया और राहुल गांधी कार्रवाई करने की स्थिति में नहीं थे।

कह सकते हैं कि 2014 के बाद से सिर झुका कर किसी क्षत्रप ने कांग्रेस आलाकमान की बात नहीं मानी। जिसको आलाकमान ने आंख दिखाई उसने पार्टी छोड़ दी या पलट कर उससे ज्यादा लाल आंख दिखा दी। आलाकमान ने जिसको बनाए रखा वे मनमानी करते रहे और पार्टी डूबो दी। दिलचस्प बात यह है कि इनमें से ज्यादातर क्षत्रप 1998 के बाद से सोनिया गांधी द्वारा बनाए गए थे। अब स्थितियां बदली हैं। लगातार दो बार बुरी तरह से हारने के बाद कांग्रेस को 99 सीट की संजीवनी मिली है। राहुल गांधी की छवि बेहतर हुई है और दो भारत जोड़ो यात्राओं की वजह से उनके नेतृत्व के प्रति कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों की आस्था बनी है।

देश में फैल रही बदहाली

एनएसएसओ की गैर कंपनी यानी अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार की स्थिति के बारे में सर्वे रिपोर्ट आई है। उस रिपोर्ट के मुताबिक 2015–16 से 2022–23 के बीच इस क्षेत्र में 13 राज्यों में रोजगार प्राप्त मजदूरों की संख्या गिरी।

भारत के रोजगार की हालत खराब है, लेकिन यह बदहाली सिर्फ औपचारिक क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है। अनौपचारिक क्षेत्र में हालत बदतर है। चूंकि यह तथ्य नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) के सर्वेक्षण से सामने आया है और इसलिए सरकार इससे इनकार नहीं कर सकती। जैसाकि भारत सरकार ने सिटीग्रुप रिसर्च की एक अध्ययन रिपोर्ट के मामले में किया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर जीडीपी सात प्रतिशत की दर से भी बढ़ती रहती है, तब भी भारत बेरोजगारी की समस्या हल नहीं कर पाएगा। इसलिए सिटीग्रुप की सलाह है कि भारत सरकार सिर्फ ग्रोथ रेट के भरोसे ना बैठी रहे, बल्कि रोजगार बढ़ाने वाले उपायों पर विशेष और अलग से ध्यान दे। मगर यह रिपोर्ट आने के तुरंत बाद सरकार ने इसका खंडन कर दिया। उसने दावा किया कि 2017–18 से 2021–22 के बीच आठ करोड़ रोजगार पैदा किए गए हैं। बहरहाल, अब एनएसएसओ की गैर कंपनी क्षेत्र में रोजगार के बारे में सर्वे रिपोर्ट आई है।

ये रिपोर्टें 18 राज्यों के उन कारोबार से संबंधित हैं, जिनका कंपनी कानून के तहत रजिस्ट्रेशन नहीं कराया गया है। यानी ये छोटे कारोबार हैं और अनौपचारिक क्षेत्र का हिस्सा हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2015–16 से 2022–23 के बीच इस क्षेत्र में 13 राज्यों में रोजगार प्राप्त मजदूरों की संख्या गिरी। कर्नाटक और तमिलनाडु दो ऐसे राज्य रहे, जहां ऐसे रोजगार में सबसे ज्यादा गिरावट आई। वहां यह गिरावट क्रमशः 13 लाख और 12 लाख रही। अगर ध्यान दें, तो यह वही अवधि है, जब नोटबंदी, जीएसटी लागू होने और फिर कोरोना महामारी के दौरान अनियोजित लॉकडाउन की सबसे ज्यादा मार अनौपचारिक क्षेत्र पर पड़ी थी। यह बात ध्यान में रखने की है कि अनौपचारिक में मौजूद रोजगार अस्थायी किस्म का होता है, जहां मजदूर कम वेतन और बिना किसी सामाजिक सुरक्षा के काम करते हैं। अगर ऐसी जगहों पर भी काम के अवसर घटे हैं, तो समझा जा सकता है कि क्यों देश में रोजमर्रा का न्यूनतम उपभोग भी घटता चला गया है। जाहिर है, इससे देश में फैल रही बदहाली को समझने के सूत्र भी मिलते हैं।

घटती कमाई के बावजूद 550 करोड़ से इंचभर दूर रह गई कल्कि

नाग अश्विन निर्देशित फिल्म कल्कि 2898 एडी साल की सबसे चर्चित फिल्म रही है. इस साइंस फिक्शन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार परफॉर्म किया है. दो हफ्ते तक बॉक्स ऑफिस पर छप्पर फाड़ कमाई की है और कई फिल्मों के रिकॉर्ड भी ब्रेक किए हैं.

वहीं अब ये फिल्म रिलीज के तीसरे हफ्ते में पहुंच चुकी है चलिए जानते हैं कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 16वें दिन यानी तीसरे फ्राइडे कितना कलेक्शन किया है डायस्टोपियन साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी की दीवानगी दर्शकों के सिर चढ़कर बोली है. इस मल्टीस्टारर फिल्म की रिलीज से पहले इसका इतना ज्यादा बज बन गया था कि सिनेमाघरों में दस्तक देते ही इसे देखने के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी. फिर क्या था फिल्म ने भी रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग की. इसके बाद तो कल्कि 2898 एडी ने बॉक्स ऑफिस पर कब्जा कर लिया. हर गुजरते दिन के साथ फिल्म पर नोटों की बारिश होती रही. हालांकि दूसरे हफ्ते में फिल्म की कमाई में गिरावट भी दर्ज की गई बावजूद इसके इसने अच्छा खासा कलेक्शन किया. वहीं अब कल्कि 2898 एडी शान के साथ तीसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी हैं. प्रभास स्टारर फिल्म की कमाई की बात करें तो देश भर में 95.3 करोड़ से खाता खोलने वाली कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के पहले हफ्ते में 414.85 करोड़ कमाए तो दूसरे हफ्ते में फिल्म की कमाई 128.5 करोड़ रही. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 16वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के 16वें दिन यानी तीसरे शुक्रवार को 5.25 करोड़ की कमाई की है. जिसमें तेलुगु में फिल्म ने 1.4 करोड़, तमिल में 0.2 करोड़, हिंदी में 3.25 करोड़, कन्नड़ में 0.1 करोड और मलयालम में 0.3 करोड़ की कमाई की है. कल्कि 2898 एडी की 16दिनों की कुल कमाई अब 548.60 करोड़ रुपये हो गई है. 16 दिनों में फिल्म ने तेलुगु में 255.15 करोड़, तमिल में 32.4 करोड़, हिंदी में 236.15 करोड़, कन्नड़ में 4.6 करोड और मलयालम में 20.3 करोड़ की कमाई की है. कल्कि 2898 एडी ने 15वें दिन शाहरुख खान की जवान के लाइफ टाइम कलेक्शन 543 करोड़ का रिकॉर्ड ब्रेक किया था. वहीं अब प्रभास की इस फिल्म के निशाने पर रणबीर कपूर की ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल आ गई है. एनिमल का लाइफ टाइम कलेक्शन 556.36 करोड़ रुपये है. बता दें कि कल्कि 2898 एडी ने 16 दिनों में 548.60 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. उम्मीद है कि 17 वें दिन यानी तीसरे शनिवार को फिल्म की कमाई में तेजी आएगी और ये एनिमल को भी मात दे देगी. फिलहाल हर किसी की निगाहें बॉक्स ऑफिस पर टिकी हुई हैं.

क्या बीसीसीआई टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान भेजेगी?

नई दिल्ली, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड लगातार टीम इंडिया को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपने मुल्क बुलाने के लिए दबाव बना रहा है। जबकि, भारतीय टीम का पाकिस्तान की यात्रा करना लगभग असंभव है। बीसीसीआई ने इस मुद्दे पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। हालांकि, बीसीसीआई ने इस बात पर कड़ा रुख दिखाया है कि क्रिकेट खेलने के लिए पाकिस्तान जाने का निर्णय पूरी तरह से भारत सरकार का फैसला होगा। पिछले साल भारत ने एशिया कप के लिए पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था और फाइनल समेत अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले थे। उस समय एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान के पास थी, लेकिन भारत के कारण पाकिस्तान को श्रीलंका के साथ मेजबानी साझा करनी पड़ी।

पाकिस्तान में 28 साल बाद कोई आईसीसी टूर्नामेंट आयोजित होने जा रहा है। पीसीबी अच्छी तरह वाकिफ है कि अगर उसे टूर्नामेंट की पूरी मेजबानी अपने पास रखनी है, तो भारतीय टीम का पाकिस्तान आना जरूरी है। इसलिए पीसीबी इस बार मेजबानी पूरी तरह अपने पास रखने के लिए भारत को अपने देश बुलाने की हर मुमकिन कोशिश कर रही है।

ऋषभ पंत के बाद अक्षर पटेल संभाल सकतें है दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी

नईदिल्ली, आईपीएल 2025 के ऑक्शन की तारीखें भी सामने नहीं आई हैं और टीमें बदलाव की ओर देखने लगी हैं. दिल्ली कैपिटल्स की बात करें तो अब रिकी पोंटिंग टीम के हेड कोच नहीं होंगे. वहीं, अब रिपोर्ट्स के हवाले से एक ऋषभ पंत से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है. दावा किया जा रहा है कि मेगा ऑक्शन से पहले पंत दिल्ली से अलग हो सकते हैं. ऐसे में फैंस के जहन में सवाल आ रहा है कि यदि ये अफवाह सही साबित होती है, तो अब दिल्ली कैपिटल्स का अगला कप्तान कौन होगा?

आईपीएल 2024 में ऋषभ पंत ने इंजरी से वापसी की और दिल्ली की कमान संभाली थी, लेकिन वह कुछ खास नहीं कर सके और दिल्ली कैपिटल्स ने 6वें नंबर पर रहते हुए टूर्नामेंट खत्म किया था. लेकिन, अपकमिंग मेगा ऑक्शन से पहले दिल्ली ने बड़ा बदलाव किया और रिकी पोंटिंग को हेड कोच के पद से हटा दिया. वहीं एक और बड़ी खबर सामने आ रही है कि कप्तान ऋषभ पंत भी आईपीएल 2025 से पहले ही टीम का साथ छोड़ सकते हैं. जी हां, सोशल मीडिया पर दावा किया है कि ऋषभ पंत आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन से पहले दिल्ली कैपिटल्स को छोड़ देंगे. हालांकि, अब तक इसे लेकर कोई ऑफिशियल अपडेट सामने नहीं आई है.

ऋषभ पंत के दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी छोड़ने वाली अफवाह सही साबित होती है, तो सवाल उठता है कि दिल्ली का अगला कप्तान कौन होगा? इसका जवाब हैं ऑलराउंडर अक्षर पटेल. जी हां, अक्षर दिल्ली के अगले कप्तान हो सकते हैं. भले ही अब तक अक्षर को आईपीएल में कप्तानी का कुछ खास अनुभव नहीं है, लेकिन उन्होंने आईपीएल ही नहीं इंटरनेशनल लेवल पर भी अपनी काबिलियत को साबित किया है. वह एक बेहतरीन स्पिन ऑलराउंडर हैं, जो गेंद के साथ–साथ बल्ले से भी मैच जिताने की ताकत रखता है.

मेरी सीखने की प्रक्रिया का एक बड़ा हिस्सा सेल्फ–वैलिडेशनः ट्विंकल अरोड़ा

उड़ारियां में नेहमत का रोल अदा करने वाली एक्ट्रेस ट्विंकल अरोड़ा ने बताया कि वह पहले दूसरों से वैलिडेशन चाहती थीं, लेकिन अब उन्होंने सेल्फ–वैलिडेशन की पावर को जान लिया है. ट्विंकल ने कहा, वैलिडेशन (अपने बारे में किसी की राय लेना) मेरी सीखने की प्रक्रिया का एक बड़ा हिस्सा रहा है. मैं एक ऐसी इंसान थी जिसे कई जगहों पर दूसरों की राय की जरूरत थी, लेकिन समय के साथ मैंने सीखा है कि खुद को मान्यता देना ही सबसे बड़ी सीख है. अगर किसी को कोई दूसरा वैलिडेट नहीं करता, तो इस पर निराश नहीं होना चाहिए. यह कहना आसान है, लेकिन इसमें महारत हासिल करने के लिए काफी कोशिश की जरूरत है, जो मैं कर रही हूं.

उन्होंने आगे कहा, मैं एक ऐसी शख्स हूं जो मौज–मस्ती करना पसंद करती है और उसे बस सही कंपनी की जरूरत होती है. एक्ट्रेस का कहना है कि वह अलग–अलग लोगों के सामने अपना अलग–अलग साइड दिखाती हैं और जब वह अकेली होती हैं तो वह बिल्कुल अलग होती हैं. उन्होंने कहा,जब मैं सेट पर होती हूं, तो मैं बिल्कुल शांत और प्रोफेशनल होती हूं. और जब मैं अपने दोस्तों के साथ होती हूं, तो मैं बस एक टाइम बम या लाफ्टर बॉक्स बन जाती हूं. एक्ट्रेस ने कहा, जब कोई नहीं देख रहा होता है, तो हम बस अपने आप में होते हैं. कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो कोई भी लोगों के सामने कभी नहीं करता, लेकिन अकेले में करता है.उदाहरण के लिए, मैं घर पर अकेले बैठकर कभी भी चम्मच से नहीं खाती, लेकिन जब मैं किसी ग्रुप में होती हूं, तो मुझे इससे खाना पड़ता है. ट्विंकल ने कंफर्ट जोन के बारे में भी बात की और कहा कि आगे बढ़ने के लिए इससे बाहर निकलना जरूरी है. उन्होंने कहा, एक कहावत है, आगे बढ़ा तभी जा सकता है जब आप अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलते हैं. मुझे लगता है कि हमें समय के साथ अपने कंफर्ट जोन को बदलते रहना चाहिए।

स्टाइलिश आउटफिट पहन हुमा कुरैशी ने लगाया ग्लैमर का तडका

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों को इस कदर दीवाना किया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने अपने लेटेस्ट इंडो–वेस्टर्न आउटफिट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। अपनी एक्टिंग से ज्यादा खूबसूरती को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरने वाली एक्ट्रेस हुमा कुरैशी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका स्टाइलिश अंदाज सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका ग्लैमरस लुक देखकर फैंस फिदा हो गए हैं। फोटोशूट के दौरान हुमा कुरैशी ने बेहद ही स्टाइलिश लुक में साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा हॉट एंड गॉर्जियस लग रही हैं।

बावा विश्व जूनियर स्क्वैश के सेमीफाइनल में, अनहत बाहर

ह्यूस्टन (अमेरिका), शौर्य बावा कुश कुमार (2014 में) के बाद विश्व जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष बन गए।17/32 वरीयता प्राप्त दिल्ली के 18 वर्षीय खिलाड़ी ने लडक़ों के क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के लो वा–सर्न को 2–11, 11–4, 10–12, 11–8, 12–10 से हराकर भारत की जीत और एक पदक पक्का कर दिया।80 मिनट तक चले रोमांचक संघर्ष में, बावा पांचवें गेम में 6–9 और 7–10 से पिछड़ गया था, लेकिन उसने जीत के लिए उल्लेखनीय रूप से 3 मैच गेंदें बचाईं।बावा ने लो पर अपनी सेमीफाइनल जीत में प्रभावशाली दृढ़ संकल्प और संयम दिखाया, जीत हासिल करने के लिए मैच की तीन गेंदें से पिछडऩे के बाद भी संघर्ष किया, जीत के बाद भारतीय अपनी उपलब्धि के एहसास के साथ जमीन पर गिर पड़े।अंतिम चार चरण में उनका मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त मिस्र के मोहम्मद जकारिया से होगा।इस बीच, हमवतन अनहत सिंह (5/8 वरीयता प्राप्त) लगातार तीसरे साल लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में हार गईं। 16 वर्षीय महिला राष्ट्रीय चैंपियन मिस्र की विजेता नादियान एलहामामी से पांच सेट के करीबी मुकाबले में 11–8, 11–9, 5–11, 10–12, 13–11 से हार गईं। पांच दिन पहले अपना 17वां जन्मदिन मनाने वाली एल्हामामी ने 16 वर्षीय भारतीय के खिलाफ अच्छी शुरुआत की और 2–0 की बढ़त बना ली और अनहत के आक्रामक खेल का अच्छी तरह से बचाव किया।हालांकि, तीसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने जोरदार वापसी की और तीसरे गेम में 11–5 की जीत और चौथे गेम में 12–10 की कड़ी जीत के साथ बराबरी हासिल की।

एक नजर

क्यार्क गांव में गढ़वाल इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज शुरू

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : मंडल मुख्यालय पौड़ी के ग्राम क्यार्क में श्री शत चंडी जन कल्याण समिति की ओर से मंगलवार को गढ़वाल इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज का शुभारंभ किया गया। संस्थान के चेयरमैन कवींद्र इष्टवाल ने इसकी शुरूआत ऑप्टोमेट्री डिप्लोमा कोर्स के साथ ही गई थी, जो अब पैरामेडिकल सांइसेज कोर्सों तक पहुंच गया है।

शुभारंभ अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश कुंवर ने किया। एसीएमओ ने कहा कि यह समिति की ओर से पैरामेडिकल क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्रदान करने का एक सराहनीय कार्य है। जिस तरह से पहाड़ों से लगातार पलायन हो रहा है। उसको देखते हुए संस्था का यह प्रयास लोगों को भी रिवर्स माइग्रेशन के लिए प्रेरित करने का काम करेगा। इस दौरान संस्था के महासचिव नृपेश तिवारी, सुरेश बहुगुणा, सुनील थपलियाल, अजय रतूड़ी आदि मौजूद रहे।

कृषि विभाग ने दो हजार पौधे रोपे

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : कृषि विभाग बीरोंखाल की ओर से हरेला पर्व पर कंडूली बड़ी में पौधरोपण किया गया। बीरोंखाल कृषि प्रभारी विनोद खुराना ने बताया कि नमसा योजना के तहत कंडूली बड़ी के ग्रामीणों ने नींबू, माल्टा, आड़ू, आंवला, मौसमी आदि विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए। ब्लॉक के स्कूल, कॉलेजों, सिविल सोमय स्यूंसी रेंज, धूमाकोट रेंज, पोखड़ा रेंज में हरेला पर्व पर विभिन्न गांवों में पौधे लगाए गए। इस दौरान प्रधान कंडूली सरिता देवी, रेखा देवी, रणवीर सिंह, कल्पा देवी आदि मौजूद रहे।

पुलिस चलाया सघन चेकिंग अभियान

चमोली : थराली थाना क्षेत्र के अंतर्गत नारायणबगड़ प्रखंड के नौपाणी के समीप पुलिस के द्वारा इन दिनों लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। थानाध्यक्ष थराली देवेंद्र कुमार पंत ने बताया कि सड़कों पर बिना हेलमेट, बिना कागजातों के अनेक वाहन चल रहे हैं। वहीं नाबालिगों के द्वारा भी वाहनों को संचालित किया जा रहा है। कुछ लोगों के द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने की सूचना मिली है। थानाध्यक्ष ने बताया कि नारायणबगड़ के समीप नौपाणी में पुलिस के द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें कई वाहनों के चालान काटे गए और जुर्माना वसूला गया। (एजेंसी)

धूमधाम से मनाया हरेला पर्व

चमोली : कर्णप्रयाग। कस्बे सहित आसपास क्षेत्र में हरेला पर्व धूमधाम से मनाया गया। जंगलों को बचाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। अदालत परिसर, डिग्री कॉलेज में पौधे रोपे गए। झिरकोटी के ग्रामीणों ने पांच हेक्टेयर भूमि में औषधीय पौधों का रोपण किया। वहीं, सरपंच संगठन के जिलाध्यक्ष कैलाश खंडूरी ने सरकार से सरपंचों को जंगल में आग बुझाने के लिए उपकरण दिए जाने की मांग की।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नई टिहरी : जिला प्रशासन की ओर से भोनाबागी, पुलिस लाइन, पुरसोल गांव और केमसारी में आयोजित किए गए। डीएम मयूर दीक्षित, सीडीओ डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने पौधरोपण कर हरेला कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में डीएफओ पुनीत तोमर, एडीएम केके मिश्र, एएसपी जेआर जोशी, डीडीओ मोहम्मद असलम, पीडी डीआरडीए योगेश उपाध्याय, चंबा प्रमुख शिवानी बिष्ट, जाखणीधार सुनीता देवी, मंडल अध्यक्ष संदीप रावत, जिला मीडिया प्रभारी डॉ. प्रमोद उनियाल, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष गौरव गुसाईं, एसडीएम संदीप कुमार, वन क्षेत्राधिकारी आशीष डिमरी, क्षेपंस पंकज बरवाण आदि ने पौधे लगाए। वहीं, केंद्रीय विवि परिसर बादशाहीथौल में प्रभारी निदेशक प्रो. मनमोहन सिंह नेगी, सुनीता गोदयाल, दिनेश नेगी आदि ने पौधरोपण किया। (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया में दमखम दिखाएगी राघवी बिष्ट

नई टिहरी : ऑस्ट्रेलिया-ए और इंडिया-ए के बीच सात अगस्त से शुरू हो रही क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए चयनकर्ताओं ने 18 सदस्यीय टीम चयन किया है। टीम वन डे और टी-20 मुकाबले खेलेगी। भारतीय टीम में उत्तराखंड की खिलाड़ी राघवी बिष्ट का नाम भी शामिल है। राघवी कुछ सालों में क्रिकेट की नई सनसनी बनकर उभरी हैं। राघवी ने 2022 में अंडर-19 प्रतियोगिता में नागालैंड के खिलाफ 154 गेंदों पर 219 रनों की पारी खेलकर सभी का ध्यान खींचा था।

झूठे निकले आश्वासन, मुंह चिढ़ा रहा गड्ढा

अधुनिक बस अड्डे के नाम पर दशकों बाद भी मोटर नगर में दिख रहा केवल एक गड्ढा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विधानसभा चुनाव हो अथवा नगर निगम के चुनाव मोटर नगर में आधुनिक बस अड्डे के नाम पर बना गड्ढा हर चुनाव में मुद्दा बनता है। लेकिन, आज भी यह गड्ढा आमजन को मुंह चिढ़ा रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि जहां प्रदेश सरकार क्षेत्र में पार्किंग सुविधा को लेकर पूरी तरह निष्क्रिय है, वहीं नगर निगम प्रशासन भी इस पूरे मामले में चैन की नींद सो रहा है। जबकि, शहर में पार्किंग व्यवस्था नहीं होने से आमजन को लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है।

कोटद्वार मोटर नगर में आधुनिक बस अड्डे के नाम पर खुदा गड्ढा

कोटद्वार में नगर निगम की मोटर नगर स्थित भूमि पर हुआ गड्ढा पिछले ग्यारह वर्षों से आमजन को मुंह चिढ़ा रहा है, वहीं क्षेत्र की उस राजनीति की भी कलई खुल रही है जिसमें विकास के दावे किए जाते हैं। बताना जरूरी है कि जिस सरकारी भूमि को बस अड्डा निर्माण के नाम पर खोदा गया वहां से ग्यारह वर्ष पूर्व तक बस व टैक्सियों का संचालन होता था। तत्कालीन नगर पालिका ने 23 मार्च 2013 को पीपीपी मोड पर मोटर नगर में आधुनिक बस टर्मिनल बनाने का कार्य एक निजी संस्था को सौंपा। संस्था ने मोटर नगर में बस अड्डे का निर्माण कार्य शुरू किया। पालिका ने मोटर नगर की 1.838 हेक्टेयर भूमि में से 1.5034 हेक्टेयर भूमि कंपनी को मुहैया करा दी। शर्त के तौर पर मार्च 2015 तक बस अड्डे का निर्माण पूर्ण कर नगर पालिका को सौंपा जाना था। करार होने के छः माह बाद तक नगर पालिका ने मोटर नगर का भू-उपयोग परिवर्तित नहीं किया। निर्माण के करीब छः माह बाद भू-उपयोग तो परिवर्तित हो गया, लेकिन जिस स्थान पर बस अड्डा निर्माण होना था, वहां पहले से ही दुकानें मौजूद थीं, जिस कारण मसला फिर लटक गया। इसके बाद भी नगर पालिका तय शर्तों के अनुसार मोटर नगर की पूरी भूमि खाली करवा कर संस्था को नहीं सौंपी। नतीजा, बस अड्डे का निर्माण अधर में लटक गया और यही स्थिति आज भी बरकरार है। क्षेत्र की जनता बस अड्डे के नाम पर बदहाल हुए मोटर नगर पर आंसू बहा रही है, लेकिन सरकारी सिस्टम बस अड्डे की राह में आ रहे रोड़ों को हटाने के बजाए आंखे मूंद कर बैठा है। बस अड्डा तो मिला नहीं, अलबत्ता बस अड्डे के नाम पर मिला बड़ा गड्ढा आज भी कायम है।

व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के दिए निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष और स्थानीय विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण ने मंगलवार को कोटद्वार विधानसभा के अंतर्गत वार्ड नंबर चार से वार्ड नंबर 26 तक बिछाई जाने वाली पेयजल लाइनों का अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि खोह और सुखरो नदी के बीच के इलके को 22 डिस्ट्रिक्ट मीटरिंग एरिया (डीएमए) में बांटा गया है। उत्तराखंड अर्बन सेक्टर डेवलपमेंट एजेंसी की ओर से 373 करोड़ की लागत से बन रही पेयजल आपूर्ति योजना के तहत करीब 300 किलोमीटर की जल वितरण प्रणाली, चार ट्यूबवेल, चार ओवर हेड टैंक बनाए जाने हैं। इस योजना पर कार्य भी शुरू हो चुका है। बताया कि कोटद्वार महाविद्यालय में ट्यूबवेल के साथ ही 800 किलोलीटर का ओवर हेड टैंक, घराट पर 2100 किलोलीटर का ओवर हेड टैंक, बलभद्रपुर में 800 किलोलीटर का ओवर हेड टैंक तथा जिला परिषद में 650किलोलीटर के ओवर हेड टैंक बनने हैं जिसमें कई जगह कार्य शुरू हो चुका है। कहा कि योजना से कोटद्वार में पानी की समस्या से निजात मिलेगी। इस अवसर पर प्रोजेक्ट मैनेजर जतिन सिंह सैनी, सहायक अभियंता लोकेश कुमार, टाटा कंसल्टेंसी के कंस्ट्रक्शन मैनेजर नरेंद्र सिंह, कमल नेगी, कुलदीप अग्रवाल, नीना बैंजवाल, आशा बलूनी, कुसुम पटवाल, लगन वेदी, संजीव थपलियाल आदि मौजूद रहे।

पुलिस कर्मियों ने लिया हरियाली बचाने का संकल्प

पाटीसैण पुलिस चौकी प्रभारी मुकेश गैरोला पौधा रोपते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखण्ड के पौराणिक लोकपर्व हरेला पर्व पर चौकी पाटीसैण परिसर में अमरुद और संतरे के पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने पौधों की सुरक्षा की शपथ ली। चौकी प्रभारी मुकेश गैरोला ने कहा कि पेड़ हमें जीवन देते हैं, अतः हमारी व्यक्तिगत जिम्मेदारी बनती है कि हम पेड़ों की सुरक्षा करते हुए उन्हें नियमित अंतराल पर पानी, खाद आदि दें।

उन्होंने पुलिस कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक किया। पौधरोपण के बाद सभी पुलिस कर्मियों ने धरती पर हरियाली को बचाने का संकल्प लिया।

कांग्रेसियों ने किया पौधा रोपण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला कांग्रेस अध्यक्ष विनोद डबराल की अगुआई में कांग्रेसियों ने मंगलवार को हरेला पर्व के अवसर पर भाबर क्षेत्र के गंदरियाखाल में पौधरोपण किया।

वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड का पर्यावरण की रक्षा में सदियों से विशिष्ट योगदान रहा है। वर्तमान में पेड़ों के अनियमित कटान से ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या के साथ ही मौसम की अनिश्चितता जैसी समस्या भी पैदा हो रही है। इसको रोकने का पौधा रोपण ही एकमात्र उपाय है। इस दौरान पूर्व पार्षद जगदीश मेहरा, पूर्व प्रदेश महामंत्री रंजना रावत, महिला कांग्रेस महानगर अध्यक्ष सुधा असवाल, गीता सिंह, हयात सिंह मेहरा, देवेंद्र सिंह अधिकारी आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने लिया पौधा रोपण का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आरसीडी पब्लिक स्कूल में हरेला पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने पौधा रोपण के साथ ही उनके संरक्षण का भी संकल्प लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के एनएसएस स्वयं सेवियो द्वारा आम, लीची, जामुन, आँवला, अशोक, मोरपंखी सहित विभिन्न पौधों का रोपण किया गया।

हरेला कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक डा. सुभाष चन्द्र ढौंडियाल, एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक गढ़वाल मंडल पुष्कर सिंह नेगी, विद्यालय की उप प्रधानाचार्या नीरजा गौड़, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी शंकर बहादुर द्वारा संयुक्त रूप से आम के पौधे का रोपण करके किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विद्यालय के प्रबंधक डा. सुभाष चंद्र ढोंडियाल ने कहा कि आज जो पौधे हम रोप रहे हैं वह मानव जीवन के लिए कल्याणकारी हैं। इसलिए हमें

आरसीडी पब्लिक स्कूल में पौधा रोपण करते विद्यार्थी

अधिक से अधिक पौधे का रोपण करना चाहिए। कार्यक्रम समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ने कहा कि पौधारोपण का यह कार्यक्रम मातृ शक्ति को समर्पित है इसलिए ह्लएक वृक्ष माँ के नाम परह्व पौधों का रोपण करके हम मातृशक्ति के सम्मान के साथ-साथ पर्यावरण का भी संरक्षण करेंगें। इस मौके पर पीयूष सिंह, आंचल गुसाईं, मोहित गुसाईं, प्रियांशु रावत, अभय थपलियाल, अपेक्षा, खुशी नेगी, शाहिल, अमन रावत, नवदीप आदि स्वयं सेवियो ने पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया।

धरा को बचाने के लिए अवश्य करें पौधा रोपण

कोटद्वार में पौधा रोपण करती विस अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने कहा कि हमें धरती पर जीवन को बचाने के लिए पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देना होगा। लोगों को अधिक से अधिक पौधा रोपण कर धरा को हरा-भरा बनाने में अपना सहयोग देना चाहिए। उन्होंने आमजन से पौधे लगाने के साथ ही उनके संरक्षण पर भी ध्यान देने को कहा।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने मंगलवार को कोटद्वार विधानसभा के वार्ड छः काशीरामपुर में अधिकारियों और स्थानीय जनता के साथ पौधरोपण कर हरेला पर्व मनाया।

उन्होंने गौरा देवी का उदाहरण देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी नवीन चंद पंत, उप जिलाधिकारी सोहन सिंह सैनी, नगर आयुक्त वैभव गुप्ता, सहायक पुलिस अधीक्षक जया बलूनी, राजेंद्र अंथवाल, ऋषि कंडवाल, इफको निदेशक उमेश त्रिपाठी, मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष सुमन कोटनाला, भाजपा नगर अध्यक्ष पंकज भाटिया, अनीता आर्य, सुनीता कोटनाला आदि मौजूद रहे।

पित्रों व दिवंगत जनों की याद में किया पौधा रोपण

गांव में पौधा रोपण करते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ग्राम्य पुनर्विकास समिति मंकोट कौड़िया कार्यकारिणी की ओर से अपने पित्रों व दिवंगत जनों की याद में पौधा रोपण किया गया। इस दौरान सदस्यों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया।

समिति के अध्यक्ष अमनदीप बुड़ाकोटी की अध्यक्षता व पंकज बुड़ाकोटी के संयोजकत्व में गांव के पाणीतोक व नवनिर्मित सड़क के किनारे-किनारे अपने पित्रों व दिवंगत दीसा-ध्याणियों की मधुर स्मृति में छायादार बाँज, मोरपंखी, बोतलब्रश आदि पौधारोपण किया गया। समिति के सदस्यों ने ग्रामीणों को भी पौधा रोपण के लिए प्रेरित किया। कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें अधिक से अधिक पौधों का रोपण करना चाहिए। इस मौके पर समिति के संरक्षक सुरेन्द्र प्रसाद, श्यामलाल, सुमित्रा देवी, शान्ति देवी, सुभद्रा देवी, मादेई देवी, शकुन्तला देवी, प्रभा देवी, पबेत्री देवी, अतुल बुड़ाकोटी, महासचिव अनोज बुड़ाकोटी, अंकुश बुड़ाकोटी, दीपक, स्नेहिल, अनन्या-अर्पित, नत्थी प्रसाद, संस्थापक जनार्दन बुड़ाकोटी व दामोदर प्रसाद आदि मौजूद रहे।

वन पंचायत सरपंचों सहित कार्मिकों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : जिले में मंगलवार को हरेला पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत जज कोर्ट के पास विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपे गए। इसके साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों और जनप्रतिनिधियों की ओर से भी विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपे गए।

इससे पहले कंडोलिया पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की ओर से वनाग्नि न्यूनीकरण और मानव वन्य जीव संघर्ष में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दस वन पंचायत सरपंचों सहित 14 विभागीय कार्मिकों को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वनाग्नि को रोकने में अपनी जान गंवाने वाले वन कर्मियों के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम में डीएम ने देवदार का पौधा रोपा।

बदहाल सड़क, जल्द करवाएं मरम्मत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम के अंतर्गत वार्ड 18 शिवपुर निवासियों ने शिवपुर चौराहे से लेकर डिग्री कॉलेज की सड़क को जोड़ने वाली ब्रांच रोड की दशा सुधारने की मांग की है। सोमवार देर शाम वार्ड वासियों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि सड़क को लोनिवि दुगड्डा ने बनाया था। निर्माण के लगभग आठ साल से ऊपर का समय बीतने के बाद भी अभी तक न तो विभागीय कर्मचारियों और न ही किसी जनप्रतिनिधि ने इस सड़क की सुध ली। नतीजन सड़क में जगह-जगह पर गडढे हो गये हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में धीरेंद्र सिंह बिष्ट, लक्ष्मी देवी, बृजपाल नेगी, सुदर्शन रावत, जितेंद्र बिष्ट, मनोज नेगी और प्रियांक आदि शामिल रहे।

शिक्षकों व कर्मचारियों ने किया पौधा रोपण

कोटद्वार में पौधारोपण करते शिक्षक व कर्मचारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : हरेला पर्व में राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार के शिक्षक व कर्मचारियों की ओर से पौधा रोपण किया गया। इस दौरान शिक्षकों ने अन्य लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

लोक पर्व हरेला के अवसर पर राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में 40 पौधों का रोपण किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में स्वस्थ पर्यावरण के लिए हरी-भरी धरती का होना आवश्यक बताया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने विद्यालय परिसर में 15 फूलदार, 10 शोभादार तथा 15 छायादार पौधे लगाए। कार्यक्रम में शहरी विकास विभाग के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

वन विभाग के साथ मनाया हरेला, जल स्रोतों के आसपास रोपे पौधे

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : हरेला पर्व के अवसर पर अपुणु गौ मुल्क विकास समिति ने वन विभाग और जिला पंचायत सदस्य आरती नेगी के सहयोग से ग्राम नाव, बग्याली, थापलू, कठूली, नागरोली, घटगढ के पारंपरिक जल स्रोतों के आसपास पौधे रोपकर हरेला पर्व मनाया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवम जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष नरेंद्र नेगी ने लोगों को वृक्ष प्रदान करते हुए वृक्षारोपण के महत्व को बताया। उन्होंने बढ़ते तापमान पर चिंता व्यक्त की।

वन विभाग सतपुली रेंज के वन प्रभारी अनिल शर्मा ने लोगो में हरेला पर्व और वृक्षारोपण के लिए जागरूकता फैलाई। अपुणु गौ मुल्क विकास समिति के सचिव प्रवेंद्र रावत ने बताया कि जल संवर्धन के लिए वृक्षारोपण अत्यधिक महत्वपूर्ण है। समिति के अध्यक्ष स्वरूप धस्माना ने कहा की निरंतर सूख रहे जल स्रोतों गहरी चिंता का विषय है। अतः धरती पर वृक्ष रोपण आवश्यक है। इस अवसर पर कमलेश पासबोला ग्राम प्रधान नाव, संतोष रावत, मनोहर लाल पहाड़ी पूर्व जिला पंचायत सदस्य, रमेश पसबोला, तजवार सिंह, गोपाल रावत, मनीष आदि उपस्थित रहे।

हरेला पर्व पर रोपे पौधे, संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : उत्तराखंड के लोक पर्व हरेला के सुअवसर पर नगर पंचायत सतपुली द्वारा दंगलेश्वर मंदिर में फल-फूल प्रजाति के पौधों का रोपण कर उनके संरक्षरण का संकल्प लिया। इस दौरान नयार नदी तट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस मौके पर प्रशासक नगर पंचायत सतपुली अनिल कुमार चन्याल, अधिशासी अधिकारी जयदीप सिंह खत्री, स्वच्छ भारत मिशन ब्रांड एम्बेसडर प्रेम सिंह रावत, व्यापार मंडल अध्यक्ष जयदीप सिंह नेगी, सामाजिक कार्यकर्ता विनोद घिल्डियाल आदि मौजूद रहे।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/ समन्वय द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगें। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते है। निविदा की धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	78-DRM-MB-24-25, Dt. 15.07.2024
कार्य का नाम	Providing 4G GPS tracker based personal tracking device with 4G (M2M) SIM, along with 2 Man Power with operation & maintenance for a period of 2 years over Moradabad Division. (4G SIM having facility to switch over lower 2G/3G network when 4G network is not available).
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	08.08.2024
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00 hrs.
अनुमानित लागत	78,42,331.63
धरोहर राशि	1,56,900.00
टेंन्डर फार्म की लागत	शून्य
कार्य पूर्ण करने की अवधि	24 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	25.07.2024

टेन्डर नं.: 75/W/2/3/WA/DEN/Track/T Notice दिनांक: 15.07.2024 2157/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक नजर

डिग्री कॉलेज में हुआ पौधा रोपण, सुरक्षा का लिया संकल्प

रुद्रप्रयाग : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में लोकपर्व हरेला के मौके पर पौधारोपण किया गया। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन, नमामि गंगे उत्तराखंड, देहरादून द्वारा 16 से 31 जुलाई तक आयोजित किए जा रहे हरेला पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में किया गया। महाविद्यालय की नमामि गंगे इकाई, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ एवं अगस्त्यमुनि रेंज रुद्रप्रयाग वन प्रभाग द्वारा महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. दलीप सिंह बिष्ट द्वारा महाविद्यालय परिसर में पीपल का पौधा लगाकर किया गया। प्राचार्य द्वारा उपस्थित समस्त प्राध्यापकों, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राओं से एक-एक पेड़ लगाने एवं लगाए गए पेड़ की देखभाल करने का आह्वान किया गया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने इस मौके पर विभिन्न प्रजाति के पौध आम, लीची, पीपल, जामुन, मोरपंखी आदि का रोपण किया साथ ही उनकी देखभाल एवं उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प लिया। इस मौके पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे। (एजेंसी)

नियमावली बनाए जाने का किया स्वागत

नई टिहरी : प्राथमिक शिक्षक संघ ने एससीईआरटी और डायट की नियमावली बनाए जाने का स्वागत करते हुए सरकार से इसमें प्राथमिक शिक्षकों को भी शामिल करने की मांग की है। संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह नेगी, मंत्री प्रीतम सिंह ने शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, महानिदेशक को बंशीधर तिवारी को ज्ञापन भेजकर इस पर कार्यवाही करने की मांग की है। कहा कि नियमावली नई शिक्षा नीति के अनुसार बनाई जाए। नियमावली के इस ढांचे में शामिल करने के लिए योग्यता जो भी रखी जाए, लेकिन उसमें ग्रेड वेतन के साथ ही अनुभव को वरीयता दी जाए। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षक शिक्षा को समय–समय पर संवर्द्धन के लिए इस ढांचे में आनुभविक दक्षता को पर्याप्त स्थान दिया जाना चाहिए। (एजेंसी)

चिकित्सकों की तैनाती की मांग

चमोली : बेस अस्पताल सिमली की समस्यायों को लेकर मंगलवार को क्षेत्रीय संघर्ष समिति की बैठक रामलीला मैदान सिमली में सम्पन्न हुई।बैठक में समिति के संरक्षक महेश डिमरी, अध्यक्ष पूर्व जिला पंचायत सदस्य देवेन्द्र नेगी, डॉ. एसएस बहुगुणा, बिरेंद्र मिंगवाल, विक्रम सिंह और भाष्कर डिमरी ने कहा कि महिला बेस चिकित्सालय में विशेषज्ञ डॉक्टर और अन्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। सरकार और अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण रोगियों को अन्य अस्पतालों में उपचार के लिए जाना पड़ रहा है। (एजेंसी)

हरेला पर्व सुख, समृद्धि, शान्ति, पर्यावरण और प्रकृति संरक्षण का प्रतीक : धामी

सीएम ने शहीदों एवं वन कर्मियों की स्मृति में रोपा पौधा

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को हरेला पर्व के अवसर पर मालदेवता देहरादून में आयोजित 'शहीदों के नाम पौधरोपण' कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम के दौरान जम्मू के कठुआ में शहीद हुए उत्तराखण्ड के जवानों एवं बिनसर वन्यजीव विहार में वनाग्नि दुर्घटना में मृतक वन्य कर्मियों की स्मृति में श्रद्धांजलि स्वरूप पौधा रोपण किया गया। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय प्रयास करने वाले स्कूलों एवं वन पंचायतों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हरेला पर्व सुख, समृद्धि, शान्ति, पर्यावरण और प्रकृति संरक्षण का प्रतीक है। यह पर्व जीवन को प्रकृति के साथ जोड़ने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड प्राकृतिक रूप से समृद्ध राज्य है। कहा कि सभी को प्रतिज्ञा लेनी होगी कि हम प्राकृतिक धरोहर एवं विरासत को संरक्षित कर भावी पीढ़ी को स्वच्छ पर्यावरण देंगे। इस बार राज्य में हरेला पर्व की थीम पर्यावरण की रखवाली, घर-घर हरियाली, लाये समृद्धि और खुशहाली निर्धारित की गई है। उन्होंने जल संरक्षण एवं संवर्द्धन की दिशा में सभी को योगदान देने के लिए अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि तापमान में वृद्धि होना, सबके लिए चिंतन का विषय है। देवभूमि उत्तराखण्ड को प्रकृत्ति ने सब कुछ दिया है। हमारी जिम्मेदारी है कि प्रकृति प्रदत्त सम्पदाओं का सही तरह से उपयोग हो। वृक्षारोपण और जल संरक्षण की दिशा में सबको मिलकर प्रयास करने हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हरेला पर्व पर 50 लाख पौधे रोपे जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें सरकार के साथ जन सहयोग भी लिया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा 15 अगस्त तक बृहद स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जायेगा। सरकार के साथ स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों, एनजीओ और जनसहयोग को इसमें लिया जायेगा।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि जो भी वृक्षारोपण किये जा रहे हैं, उनका संरक्षण भी करना है।

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि हरेला पर्व के उपलक्ष्य में इस वर्ष प्रदेश में 01 करोड़ 64 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभियान 15 अगस्त तक चलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की पहचान यहां का नैसर्गिक सौन्दर्य है। वन सम्पदा राज्य की आजीविका का महत्वपूर्ण संसाधन है। वन सम्पदाओं को बढ़ाने और जल संरक्षण की दिशा में हमें निरन्तर कार्य करने हैं। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी को शुद्ध वतावरण देने के लिए सबको वृक्षारोपण और जल संरक्षण की दिशा में कार्य करने होंगे। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, विधायक उमेश शर्मा काऊ, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक (हॉफ) डॉ. धनंजय मोहन, आईजी गढ़वाल के.एस नगन्याल, जिलाधिकारी देहरादून श्रीमती सोनिका, एसएसपी अजय सिंह एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सैन्य सम्मान के साथ दी संजय सिंह को अंतिम विदाई

रुद्रप्रयाग : 11वीं गढ़वाल राफल्स से अन्तर्राष्ट्रीय शांति सेना में शामिल अफ्रीका महाद्वीप के युगांडा देश में तैनात 39 वर्षीय शहीद संजय सिंह पुष्वाण का मंगलवार को सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मंदाकिनी किनारे पैतृक घाट पर बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें नम आंखों से विदाई दी। ऊखीमठ तहसील के समीपवर्ती गांव किमाणा निवासी 39 वर्षीय हवलदार संजय सिंह पुष्वाण पुत्र दौलत सिंह पुष्वाण का बीते 10 जुलाई को अफ्रीका महाद्वीप के युगांडा में ड्यूटी के दौरान हृदयगति रुकने शहीद हो गए। सैन्य अधिकारियों द्वारा उनके शहीद होने की सूचना दूरभाष से परिजनों को दी गई। जिसके बाद क्षेत्र में मातम छा गया। मंगलवार को मेजर देशमुख, सुबेदार दीपचंद, नरेन्द्र सिंह, राकेश सिंह, महेन्द्र पाल, नागेन्द्र, कुलदीप के नेतृत्व में उनके पार्थिव शरीर को सेना के वाहनों से दिल्ली से किमाणा गांव लाया गया।

पुलिस ने बुजुर्गों का जाना हालचाल, मदद का दिया आश्वासन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में इस मुहिम को चलाने के निर्देश दिए हैं। सतपुली, पौड़ी, रिखणीखाल, पाटीसैंण, थलीसैण, यमकेश्वर में पुलिस टीमों ने अकेले रह रहे बुजुर्गों के घर जाकर उनसे मुलाकात की और उनका हालचाल जानकर उनकी समस्याओं को सुना। पुलिस ने बुजुर्गों ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

पाटीसैंण पुलिस चौकी प्रभारी मुकेश गैरोला द्वारा पुलिस टीम के साथ अकेले रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। पाटीसैंण पुलिस चौकी प्रभारी मुकेश गैरोला ने बताया कि बुजुर्गों की आवश्यकता के अनुरुप मदद की गयी। जिन एकल बुजुर्गों को राशन की आवश्यकता थी उन्हें आवश्यकतानुसार राशन वितरित किया गया। उन्होंने बताया कि बुजुर्गों को मोबाइल और आपातकालीन नंबर डायल 112 दिया गया। घर में अकेले रह रहे बुजुर्गों पर पुलिस की ओर से विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिससे उन्हें अकेला समझ कर आपराधिक तत्व कोई वारदात नहीं कर सकें और बुजुर्गों में भी सुरक्षा की भावना विकसित हो सके। पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल धीरज सिंह, होमगार्ड नीरज सिंह शामिल थे।

हरेला पर्व: छात्रों ने पौध रोपण कर धरती को हरा-भरा रखने का लिया संकल्प

जयहरीखाल महाविद्यालय में रोपे पौधे

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय महाविद्यालय जयहरीखाल में हरेला पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर हरेला पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयं सेवकों ने महाविद्यालय परिसर में कोइराल, भीमल, आंवला, मोरपंख, शहतूत, पीपल आदि प्रजाति के पौधे रोपे गये। प्राध्यापक, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण कर धरती को हरा-भरा रखने का संकल्प लिया।

मंगलवार को प्राचार्य प्रो. एलआर राजवंशी ने वाटिका में आंवला का पौधा रोपकर हरेला पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्रों से कहा कि रोपे गये पौधों की देखभाल करें। पीटीए अध्यक्ष जयपाल रावत ने कहा कि इन पौधों के लिए ट्री गार्ड उपलब्ध कराएंगे। कार्यक्रम का संचालन नमामि गंगे के नोडल अधिकारी वरूण कुमार ने किया। इस मौके पर एनएसएस प्रभारी डॉ. अर्चना नौटियाल, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एसपी मधवाल, डॉ. राकेश कुमार द्विवेदी, डॉ. दीपचंद मिश्रा, डॉ. डीसी बेबनी, वीरेंद्र सैनी, अजय रावत, उमेश ध्यानी, राजीव रजवार, ब्रिज मोहन, बालेंदु नेगी, रूप सिंह, अनिल सिंह, मुकेश, मनोज आदि मौजूद थे।

हरेला पर्व : एसएसपी, एएसपी ने रोपे पौधे

पुलिस कर्मियों ने पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : हरेला पर्व के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने फलदार प्रजाति के पौधे का रोपण किया।

एसएसपी ने उपस्थित सभी पुलिस कर्मियों को वृक्षारोपण की महत्ता को समझाया।

उन्होंने पर्यावरण को जीवनशैली का अभिन्न अंग बताते हुए पर्यावरण को साफ-सुथरा रखने एवं हरा-भरा बनाने के लिए अपनी सहभागिता निभाने की अपील की। साथ ही पुलिस कर्मियों को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया। वहीं श्रीमती जया बलोनी अपर पुलिस अधीक्षक कोटद्वार द्वारा कोतवाली कोटद्वार एवं अनुज कुमार क्षेत्राधिकारी सदर पौड़ी द्वारा पुलिस लाईन पौड़ी में वृक्षारोपण किया गया। जनपद के समस्त थाना प्रभारियों, अभिसूचना, फायर, संचार आदि शाखाओं के द्वारा एक-एक पेड़ अपनी माँ के नाम समर्पित करते हुए उसके वृक्ष बन जाने तक उसकी सुरक्षा एवं देखभाल करने का प्रण लेकर कर वृक्षारोपण किया गया।

भाजपा हिन्दू धर्म की आस्था से कर रही खिलवाड़ : कांग्रेस

नई टिहरी : केदारनाथ धाम का दिल्ली में प्रतीकात्मक मंदिर बनाए जाने पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हिंडोलाखाल ने मंगलवार को कड़ा रोष जताया है। गुस्साएं कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक मुख्यालय में सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन कर विरोध जताया। कांग्रेसियों ने इसे हिंदू धर्म की आस्था के साथ खिलवाड़ बताते हुए भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया। मंगलवार को कांग्रेस देवप्रयाग जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल की अगुवाई में प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री द्वारा केदारनाथ धाम से शिला ले जाकर दिल्ली में भूमि पूजन कर बयान देना कि अब केदारनाथ के दर्शन दिल्ली में होंगे, बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा कि सीएम के बयान ने भाजपा की कथनी व करनी को दिखाकर यह साबित कर दिया कि भाजपा हिंदू विरोधी पार्टी है।

थलीसैंण ब्लॉक के 103 ग्राम पंचायतों में पौधा रोपण कर मनाया हरेला

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : मंगलवार को विकासखंड थलीसैंण की 103 ग्राम पंचायत में पौधारोपण कर हरेला पर्व मनाया गया। ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, महिला समूह, युवक मंगल दल, महिला मंगल दल एवं समस्त जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ विकासखंड सहित अन्य विभागों के कर्मचारियों ने फलदार, छायादार, चारा पत्ती प्रजाति के पौधों का रोपण कर हरेला पर्व मनाया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत में निर्मित अमृत वाटिका, आंगनवाड़ी केन्द्र, पंचायत भवन, प्राथमिक विद्यालय, अमृत सरोवर एवं जल के पुनरुद्धार के लिए किये जा रहे कार्यों के पास पौधा रोपण कार्य किया गया। विकासखंड थलीसैंण की ग्राम पंचायत पोखरी में हरेला पर्व पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी टीकाराम कोटियाल, मनरेगा उप कार्यक्रम अधिकारी योगेश रावत,ा ग्राम विकास अधिकारी रोहित पंवार, जेई मनरेगा संतोष नेगी, योगेंद्र सिंह एवं वीडियो पंचायत रवि शंकर नेगी, ग्राम प्रधान मनोज पोखरियाल आदि मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को आगे आने की जरूरत : पांथरी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : हरेला पर्व पर ब्लॉक प्रमुख एकेश्वर नीरज पांथरी के नेतृत्व में ग्राम सभा मुसासू के ग्राम चौरा में आम, अमरूद सहित अन्य फलदार प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया। मनरेगा के तहत उद्यानीकरण कार्य में 1700 फलदार पौधों का रोपण किया जा रहा है। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख नीरज पांथरी ने लोगों को अधिक से अधिक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संकट वैश्विक समस्या बनती जा रही है, पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को आगे आना होगा। आज के बदलते परिवेश में पर्यावरण संरक्षण बहुत जरूरी है, सभी लोग अपनी खाली पड़ी जमीन में एक-एक पौधा जरूर लगाये। उन्होंने कहा कि हमें वृक्षों की कटाई को रोकना होगा और अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने होंगे। साथ ही, युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आना होगा। इस मौके पर ग्राम विकास अधिकारी राकेश शाह, ग्राम प्रधान सतेन्द्र सिंह, कृषि विशेषज्ञ अरूण नेगी, सुभाष चन्द्र, राजीव थपलियाल, धर्मेंद्र सिंह सहित ग्रामीण मौजूद थे।

शराब की दुकान खुलने के विरोध में किया प्रर्दशन

चमोली : स्थानीय जनप्रतिनिधियों और महिलाओं ने मंगलवार को शराब की दुकान का विरोध करते हुये ताल चट्टी से आदिबदरी तक जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। तथा प्रभारी एसओ संपूणानंद जुयाल को ज्ञापन सौपते हुए दुकान बंद न होने की दशा में उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। क्षेत्र पंचायत सदस्य नवीन बहुगुणा ने बताया कि बीते 20 जून को आचार संहिता के दौरान यहां शराब की उप दुकान खुली थी। उस दौरान भी विभाग को दुकान खुलने के विरोध के बावत अवगत करा दिया गया था। लेकिन दुकान यथावत खुली रहने पर मंगलवार को कस्बे में जलूस और प्रर्दशन करते हुए सरकार एवं आबकारी विभाग से तीन दिन के अंदर धार्मिक स्थान पर दुकान का संचालन बंद करने को कहा गया है।

एसएसपी ने लिया कांवड मेले की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने आगामी कांवड मेले को लेकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का ग्राउंड जीरों पर पहुंचकर जायजा लिया। इस दौरान पायी गयी कमियों को तत्काल दूर करने हेतु एसएसपी ने प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मणझूला को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि कांवड मेले की सभी तैयारियों को समय से पूरा किया जाय। मेले के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। 22 जुलाई 2024 से कांवड मेला शुरू होगा। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कांवड़ मेले में अधिक संख्या में शिव भक्तों की आने की पूर्ण सम्भावना है। पौड़ी पुलिस की कांवड मेला हेतु तैयारियां लगभग पूर्ण हो चुकी है। तैयारियों को परखने हेतु मंगलवार को एसएसपी पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने कांवड़ पार्किंग स्थलों, पीपलकोटी, गरूड़चट्टी, बांगखाला तिराहा, जानकी पुल आदि क्षेत्रों का निरीक्षण किया। एसएसपी ने निरीक्षण के दौरान भीड़ नियंत्रण हेतु की गयी तैयारियों, वाहनों की पार्किंग व्यवस्थाओं, फोर्स के ठहरने की व्यवस्थाओं आदि का भी जायजा लिया।

संस्कृति मंत्री महाराज ने लोकपर्व हरेला पर रोपा पौधा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रदेश के संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने लोकपर्व हरेला पर उत्तराखंड संस्कृत, साहित्य एवं कला परिषद के तत्वाधान में आयोजित हरियाली महोत्सव के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। पर्यटन मंत्री ने न्यू एरा एकेडमी में भी हरेला कार्यक्रम का बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शुभारंभ किया। संस्कृति मंत्री श्री महाराज ने हरेला पर्व पर प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि पर्यावरण को बचाने के लिए हमें हर अवसर पर वृक्षारोपण करना चाहिए। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने लोकपर्व ह्यहरेलाह्ण पर उत्तराखंड संस्कृत, साहित्य एवं कला परिषद के तत्वाधान में रिस्पना पुल स्थित संस्कृति विभाग के प्रेक्षागृह परिसर में आयोजित हरियाली महोत्सव के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग कर वृक्षारोपण करने के साथ-साथ शिमला बाईपास रोड साई लोक कॉलोनी स्थित न्यू एरा एकेडमी में भी हरेला कार्यक्रम का बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में मनाया जाने वाला लोकपर्व ह्यहरेलाह्ण सावन के आने का संदेश है। इस पर्व के पीछे फसल लहलहाने की कामना है, खुशहाली का आशीष है, बुजुर्गों का आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरेला पर्व पर होने वाले पौधारोपण अभियान को एक व्यापक जनांदोलन के रूप में लिया। हरेला चैत्र माह में फसल के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है। जबकि श्रावण माह में इसे हरियाली और समृद्धि के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इसी प्रकार अश्विन माह में इसे सर्दियों के आगमन के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। श्री महाराज ने कहा कि हरेला के दिन लोग एक छोटे बर्तन या टोकरी में पांच से सात प्रकार के अनाज के बीज बोते हैं और नौ दिनों तक उनकी पूजा करते हैं। दसवें दिन, वे अंकुरित अनाज काटते हैं और उन्हें सौभाग्य और समृद्धि के प्रतीक के रूप में पहनते हैं। लोग इस दिन भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा भी करते हैं। यह किसानों के लिए एक शुभ दिन माना जाता है, क्योंकि यह वह दिन है जब वे अपने खेतों में बुवाई का चक्र शुरू करते हैं। इस अवसर पर उत्तराखंड संस्कृत, साहित्य एवं कला परिषद की उपाध्यक्ष मधु भट्ट अनेक विभागीय अधिकारियों के साथ-साथ न्यू एरा एकेडमी में आयोजित हरेला कार्यक्रम में भी स्कूल प्रबंधन से जुड़े लोग और छात्र, छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

हरेला पर लिया रोपे पौधों के संरक्षण का संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : मंगलवार को थाना थलीसैंण परिसर में थानाध्यक्ष सुनील पंवार के नेतृत्व में पौधा रोपण कर हरेला पर्व मनाया गया। इस दौरान पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया गया। थानाध्यक्ष सुनील पंवार ने कहा कि पौधे लगाने पौधे लगाने से ज्यादा उनकी सुरक्षा करना है। कहा कि जीवन के लिए आक्सीजन बेहद आवश्यक है, जो वृक्षों से प्राप्त होता है। इसलिए सभी को पेड़ पौधों का संरक्षण करना चाहिए। कहा कि प्रकृति का संरक्षण करना सभी का दायित्व है। हरेला पर्व पर पौध रोपण करने के साथ उनके संरक्षण का संकल्प भी अवश्य लें। कहा कि हरियाली का पर्व हरेला हमें निरंतर प्रकृति के संरक्षण का संकेत देता है। थानाध्यक्ष ने कहा कि जन्म दिन आदि अवसरों पर एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। साथ ही वृक्ष बनने तक उसका संरक्षण भी करना चाहिए। कहा कि पर्यावरण को संरक्षित व सुरक्षित बनाने में सभी को सहयोग करना चाहिए। इस मौके पर समस्त पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338